MUMBAI TARANG

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

किसी भी **व्यक्ति की सहनशीलता** एक **खिचे हुए धागे** की तरह होती है, एक **सीमा से अधिक खिचे** जाने पर **उसका टूटना तय** है।

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

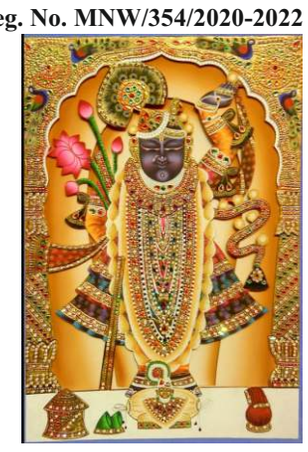

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-12 ❖ मुंबई ❖ रविवार 13 से 19 मार्च 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
कांग्रेस साथ लड़ती तो गोवा में परिणाम कुछ और होते

पेज 5
BJP का गुजरात मिशन:PM मोदी की भगवा टोपी चर्चा में, अहमदाबाद के रोड शो में इस विशेष टोपी के क्या हैं मायने?

पेज 7
शादी का ऑफर:कार्तिक आर्यन से फैन ने कहा-मुझसे शादी कर लो 20 करोड़ रुपए दूंगी, एक्टर ने दिया मजेदार जवाब

पेज 8
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर दंगल टीवी की मुख्य महिलाओं ने अपने मन की बात कही और वोमेन्स डे की शुभकामनाएं दीं

जलगांव के केलकर मार्केट में लगी भीषण आग

महाराष्ट्र के जलगांव में भीषण आग लग गई. यह आग जलगांव के केलकर मार्केट में लगी. एक दुकान से भड़की इस आग ने देखते ही देखते सात दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया. सातों दुकानें आग में जल कर खाक हो गईं. यह आग ने काफी कम समय में रौद्र रूप धारण कर लिया. आग लगने की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर फायर ब्रिगेड की टीम पहुंच गई. दमकल की पांच गाड़ियां और दमकलकर्मी आग को बुझाने की कोशिशों में लगे हुए हैं. घटनास्थल पर फायर ब्रिगेड की टीम के साथ पुलिस टीम भी पहुंची हुई है. महापालिका के कर्मचारी भी पहुंच चुके हैं. आग पर तेजी से काबू पाने की कोशिशें शुरू हैं. फिलहाल आग लगने की वजह साफ नहीं हो पाई है. अब तक आग में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं आई. पहले यह आग एक दुकान से फैलनी शुरू हुई. जब धुआं दिखाई दिया तो आस-पास के लोग सतर्क हुए. लेकिन तब तक आग बगल वाली दुकान तक पहुंच गई. जब तक लोगों को कुछ समझ आ पाता, आग तेजी से भड़कती हुई बेकाबू हो गई और इसने देखते ही देखते सात दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया. स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी. फायर ब्रिगेड की टीम सूचना पाते ही घटना स्थल तक पहुंची. लेकिन तब आग ने रौद्र रूप धारण कर लिया था. इस आग ने देखते ही देखते सात दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया. फिलहाल फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने की कोशिश में लगी हुई है.

'सागरी मार्ग से जुड़ेंगे मुंबई के आसपास के इलाके'

बजट में डिप्टी सीएम अजित पवार ने किए बड़े ऐलान

महाराष्ट्र के वित्त मंत्री अजित पावर ने आज 2022-23 का बजट पेश किया. इस बजट में सरकार ने मुंबई के रास्तों और लोकल ट्रेन पर अतिरिक्त भार हटाकर आस पास के इलाक़ों के एमएमआर को जोड़ने का ऐलान किया. सरकार की तरफ से कहा गया कि सागरी परिवहन के जरिए मुंबई के आसपास के इलाक़े को एमएमआर हिस्से को जोड़ा जाएगा. इसमें वसई, भायंदर, कल्याण, ऐरोलि, थाणा और बेलापुर का समावेश होगा. हालांकि ये सभी इलाक़े मुंबई से लोकल ट्रेन और सड़क के माध्यम से जुड़े हुए हैं, लेकिन रास्ते में होने वाले ट्रैफ़िक और लोकल ट्रेन की भीड़ की वजह से सफ़र में काफी समय लगता है. इस समय को कम करने के लिए सरकार सागरी परिवहन को बढ़ावा दे रही है. सागरी परिवहन को प्रोत्साहन देने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है. सरकार ने ऐलान किया है कि महाराष्ट्र मैरिटाइम बोर्ड सागरी सफ़र पर लगने वाले प्रवासी टैक्स को 3 साल के लिए माफ कर रही है. इस ऐलान के बाद मुंबई अलीबाग फेरी सर्विस या मुंबई-बेलापुर बोट सर्विस की टिकट के दाम भी कम हो जाएंगे. इससे ज्यादा से ज्यादा लोग इसका फायदा उठा सकेंगे.

'समुद्र की गहराई बढ़ाने के लिए 330 करोड़'

बजट में महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में जेट्टी

बांधने के लिए और समुद्र की गहराई बढ़ाने के लिए 330 करोड़ रुपए का प्रवाधान किया है. बजट में महाराष्ट्र के शिर्डी एयरपोर्ट के आधुनीकरण का भी प्रावधान रखा हैं, जिससे रात के समय पर भी वहां टकऑफ और लैंडिंग की जा सके. महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे ने सरकार की तरफ से आज पेश किए गए बजट की तारीफ की. सीएम ठाकरे ने कहा कि इस बजट में राज्य की प्रगति की झलक दिखती है. उन्होंने कहा कि इस बजट से जल्द ही सरकार 1 ट्रिलियन इकॉनमी का लक्ष्य हासिल करेगी. बजट में सीएनजी और पीएनजी को सस्ता कर दिया गया है. इससे पहले गुरुवार को आर्थिक सर्वे की रिपोर्ट भी सरकार ने जारी की थी.

1 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था वाला पहला राज्य

कृषि, स्वास्थ्य, मानव संसाधन, संचार और उद्योग इन पंच सूत्री कार्यक्रमों को ध्यान में रखते हुए राज्य का बजट तैयार किया गया है. सरकार ने 1 लाख 15 हजार 215 करोड़ का खर्च प्रस्तावित किया है. विकास कार्य के लिए अगले तीन सालों में 4 लाख करोड़ रुपए का फंड उपलब्ध करवाया जाएगा. बजट में किसानों के लिए बहुत सी घोषणाएं की गई हैं. कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों के लिए 23 हजार 888 करोड़ रुपए का फंड रखा गया है. स्वास्थ्य सेवाओं को भी इसमें अहमियत दी गई है. स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 5 हजार 244 करोड़ रुपए दिए गए हैं. देश में महाराष्ट्र 1 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था वाला पहला राज्य बन गया है.

बजट में महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में जेट्टी बांधने के लिए और समुद्र की गहराई बढ़ाने के लिए 330 करोड़ रुपए का प्रवाधान किया है.

देवेंद्र फडणवीस की मुश्किलें बढ़ीं

रश्मि शुक्ला फोन टैपिंग मामले में होगी पूछताछ, मुंबई पुलिस ने भेजा नोटिस

मुंबई: महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस की मुश्किलें बढ़ती हुई नजर आ रही हैं। आईपीएस रश्मि शुक्ला फोन टैपिंग मामले में फडणवीस को नोटिस भेजा गया है। मुंबई पुलिस ने सीआरपीसी 160 के अंतर्गत यह नोटिस भेजा है। उन्हें मुंबई के बीकेसी पुलिस स्टेशन में पूछताछ के लिए बुलाया गया है। फडणवीस ने कहा कि मुझे मुंबई पुलिस की तरफ से नोटिस भेजा गया है और कल सुबह 11 बजे बीकेसी पुलिस स्टेशन में बुलाया गया है। मैं अपना बयान दर्ज करवाने के लिए वहां जरूर जाऊंगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार फडणवीस कल यानी रविवार को मुंबई के साइबर पुलिस स्टेशन नहीं जाएंगे बल्कि पुलिस खुद उनके घर जाकर उनका स्टेटमेंट रिकॉर्ड करेगी। गृह विभाग से चर्चा के बाद मुंबई पुलिस ने यह फैसला लिया है। राजनेताओं के फोन टैपिंग मामले की जांच के लिए बनाई गई समिति द्वारा पेश की गई रिपोर्ट में आईपीएस रश्मि शुक्ला दोषी पाई गई हैं। इस प्रकरण में पुणे के बंड गार्डन थाने में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर दर्ज होने के बाद रश्मि

शुक्ला ने बॉम्बे हाई कोर्ट में गिरफ्तारी से बचने के लिए याचिका दर्ज की थी। जिसमें उन्हें एक अप्रैल तक गिरफ्तारी से अंतरिम राहत दी गई है। रश्मि शुक्ला पर यह आरोप है कि उन्होंने एसआईडी में रहते हुए कुछ मंत्रियों के गैरकानूनी ढंग से फोन टेप किए थे। जिसमें कांग्रेस नेता नाना पटोले, संजय काकड़े, आशीष देशमुख, बच्चू कडू का नाम शामिल है। अब ठाकरे सरकार फडणवीस की जांच करने वाली है।

फोन टैपिंग के दौरान यूज किए गए कोडनेम

नाना पटोले ने तब यह भी आरोप लगाया था कि उनकी जानकारी में एक केंद्रीय मंत्री के पीए, एक पूर्व सांसद व कुछ अन्य लोगों के भी फोन टैप किए गए थे। तीन पन्नों की प्राथमिकी के अनुसार शुक्ला ने पटोले, तत्कालीन भाजपा विधायक आशीष देशमुख, निर्दलीय विधायक बच्चू कडू और निर्दलीय राज्यसभा सदस्य संजय काकड़े के फोन टैप करते समय कोडनेम का इस्तेमाल किया था।

किन कोडनेम का यूज

पटोले के नंबर का कोडनेम 'अमजद खान', काकड़े को 'तरबेज सुतार' और 'अभिजीत नायर', आशीष देशमुख को 'रघु चोरगे' और 'हिना महेश सालुंके', वहीं बच्चू कडू का नाम 'निजामुद्दीन शेख' रखा गया था।

हैदराबाद में तैनात हैं रश्मि शुक्ला

शुक्ला मार्च 2016 से जुलाई 2018 तक पुणे की पुलिस आयुक्त थीं और इस समय प्रतिनियुक्ति पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पद पर हैदराबाद में तैनात हैं। साल 2021 में महाराष्ट्र विधानमंडल के मॉनसून सत्र के दौरान एक सदस्य के सवाल के जवाब में वर्ष 2015 से वर्ष 2019 के बीच नेताओं के फोन की कथित गैर-कानूनी टैपिंग के आरोपों की जांच के लिए तत्कालीन डीजीपी संजय पांडेय की अध्यक्षता में समिति बनाई गई थी।

पासपोर्ट वेरिफिकेशन के लिए अब थाने जाना नहीं पड़ेगा

मुंबई पुलिस कमिश्नर संजय पांडे ने ट्वीट कर दी जानकारी

मुंबई पुलिस ने मुंबईकरों के हित में एक अहम फैसला किया है. पासपोर्ट वेरिफिकेशन के लिए अब पुलिस स्टेशन जाने की ज़रूरत नहीं है. नए मुंबई पुलिस कमिश्नर संजय पांडे ने मुंबईकरों के हित में एक के बाद एक नए फैसले लेने की शुरुआत की है. उसी क्रम में यह उनका तीसरा अहम फैसला है. इससे पहले उन्होंने रात दस बजे से सुबह छह बजे तक मुंबई में कंस्ट्रक्शन के काम को बंद करवा दिया है. फेसबुक लाइव में उनसे कई मुंबईकरों ने शिकायत की थी कि रात में होने वाले कंस्ट्रक्शन के काम की वजह से ध्वनि प्रदूषण होता है जिससे खास कर बच्चों और बुजुर्गों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है. इससे पहले एक और फैसले में उन्होंने घोषणा की थी कि अब से मुंबई में किसी की गाड़ी नो पार्किंग जोन में खड़ी पाई गई तो उसे उठा कर ट्रैफिक पुलिस नहीं ले जाएगी. लेकिन यह आग्रह किया कि मुंबईकर भी पार्किंग स्पेस में ही गाड़ी खड़ी करने का अनुशासन दिखाएं ताकि इस प्रायोगिक तौर पर शुरू किए गए फैसले को नियमित किया जा सके.इसके अलावा उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के दिन महिला पुलिसकर्मियों की ड्यूटी आवर को 8 घंटे तय कर दिया. यानी महिला पुलिसकर्मियों को आठ घंटे से ज्यादा ड्यूटी नहीं करनी होगी.

अपने आज (शनिवार, 12 मार्च) के फैसले में संजय पांडे ने ट्वीट कर यह जानकारी दी है कि मुंबईकरों को जो पासपोर्ट के वेरिफिकेशन के लिए पुलिस स्टेशन जाने की परेशानी उठानी पड़ती थी, उससे छुटकारा मिल गया है. मुंबईकरों ने पुलिस कमिश्नर के इस फैसले का स्वागत किया है.

मुंबईकरों का हित, पुलिस कमिश्नर का नया ट्वीट

मुंबई पुलिस कमिश्नर के नए फैसले का मतलब क्या?

किसी भी भारतीय नागरिक को किसी भी वजह से देश से बाहर जाना पड़ता है तो इसके लिए पासपोर्ट होना जरूरी होता है. पासपोर्ट निकालने के लिए पुलिस की ओर से संबंधित व्यक्ति के बारे में जांच-पड़ताल की जाती है. पासपोर्ट के लिए अप्लाई करने वाले को इसके लिए पुलिस स्टेशन जाना पड़ता है. इस पूरी प्रक्रिया में काफी वक्त निकल जाता है. लेकिन इस नए आदेश से अब मुंबईकरों को पुलिस स्टेशन जाने की जरूरत नहीं है. पुलिस कमिश्नर ने यह साफ किया है कि अपवाद की स्थिति में ही पुलिस स्टेशन में बुलाया जा सकता है.

आदेश का पालन ना हो तो रिपोर्ट करने का राइट

इसके अलावा संजय पांडे ने अपने ट्वीट में एक और बात साफ की है. उन्होंने कहा है कि अगर कहीं इस आदेश का पालन नहीं हो रहा है और मुंबईकरों को पुलिस स्टेशन में बुलाया जा रहा है तो उन्हें इस बात को रिपोर्ट करने का राइट दिया गया है. यानी वे इस बात की शिकायत दर्ज करवा सकते हैं.

हाईकोर्ट ने कहा: सरकारी कर्मचारी के दो से ज्यादा बच्चे होने पर अनुकंपा नियुक्ति के लिए पात्र नहीं

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में साफ किया है कि सरकारी कर्मचारी के दो से ज्यादा बच्चे होने पर उसकी संतान अनुकंपा नियुक्ति के लिए पात्र नहीं हो सकती है।भले ही कर्मचारी ने अपने तीसरे बच्चे को दूसरे को गोद के लिए ही क्यों न दे दिया हो। बच्चे को गोद देना दो से अधिक बच्चे न होने के नियम से बचने का सहारा नहीं हो सकता है। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता व न्यायमूर्ति एमएस कर्णिक की खंडपीठ ने यह बात कहते हुए भाग्यश्री चोपड़े की अनुकंपा नियुक्ति की मांग से जुड़ी याचिका को खारिज कर दिया है। इससे पहले महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलोपमेन्ट कॉर्पोरेशन (एमआईडीसी) ने चोपड़े की अनुकंपा नियुक्ति की मांग पर इसलिए विचार करने से मना कर दिया था। क्योंकि उसके पिता के दो से अधिक बच्चे हैं। चोपड़े के पिता एमआईडीसी मे कार्यरत थे और 2014 में उनकी नौकरी के दौरान मौत हो गई थी। उन्हें पहले एक बेटी पैदा हुई थी और फिर दो जुड़वा बेटियां हुई। नियमानुसार यदि पहली संतान के बाद दोबारा जुडवा संतान होती है तो उसे एक ही संतान माना जाएगा।दो जुड़वा बेटियों के बाद याचिकाकर्ता(चोपड़े) के पिता को एक बेटा भी पैदा हुआ।

मुंबई विश्वविद्यालय परिसर में बम की झूठी खबर देने वाला गिरफ्तार

पुलिस नियंत्रण कक्ष में फोन कर मुंबई विश्वविद्यालय परिसर को बम से उड़ाने की धमकी देने के आरोप में 30 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने कहा कि सूरज जाधव के रूप में पहचाने जाने वाले आरोपी ने शाम करीब 4 बजे पुलिस नियंत्रण कक्ष को फोन किया और कहा कि विश्वविद्यालय में 10 मिनट में विस्फोट हो जाएगा. स्थानीय बीकेसी पुलिस, दमकल विभाग और बम निरोधक दस्ते मौके पर पहुंचे जबकि अन्य एजेंसियों को भी सतर्क कर दिया गया. पुलिस ने कहा कि निरीक्षण के दौरान कोई बम नहीं मिला और यह पता चला कि कॉल एक धोखा थी. इस बीच, पुलिस की एक अन्य टीम ने फोन करने वाले की तलाश शुरू की और दो घंटे के भीतर उसे उसके घर के पास ढूंढ लिया. पुलिस ने कहा कि जाधव एक शराबी है और उसने शराब के नशे में अपराध किया हो सकता है. पुलिस ने कहा कि उन्हें यह भी सूचना मिली थी कि जाधव का हाल ही में विश्वविद्यालय में एक गार्ड के साथ कुछ विवाद हुआ था और उसकी पत्नी उसके पास काम करती है.

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के शुभ अवसर पर राममंदिर में अपराध जांच ब्यूरो और कमलामाता निराधार महिला सेवाभावी ट्रस्ट द्वारा आयोजित विशेष समारोह में प्रख्यात मजदूर कामदार नेता अभिजीत राणे, धड़क कामगार यूनियन के संस्थापक महासचिव. इस अवसर पर श्रीमती कमलामाता निराधार महिला सेवाभावी ट्रस्ट की उपाध्यक्ष। श्रीमती सोनल शिंदे ने श्रमिक नेता अभिजीत राणे को फूलों का गुलदस्ता और शॉल देकर सम्मानित किया।

बीजेपी की दमदार जीत

पांच राज्यों के चुनावी नतीजे में कई संदेश छिपे हैं। इनमें यूपी, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में बीजेपी सत्ता में वापसी कर रही है, जबकि पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। इन नतीजों का पहला संदेश तो यही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और बीजेपी की चुनावी मशीनरी का कोई मुकाबला नहीं है। दूसरा, 2014 लोकसभा चुनाव से मोदी के नेतृत्व में देश की राजनीति में बदलाव का जो सिलसिला शुरू हुआ, वह अभी तक जारी है। बीजेपी हिंदी पट्टी की पार्टी नहीं रही। वह मणिपुर से लेकर गोवा तक में अपना प्रभुत्व बार-बार स्थापित कर रही है। तीसरा, इस जीत में शीर्ष स्तर पर दमदार नेतृत्व के साथ केंद्र, राज्य स्तर पर कल्याणकारी योजनाओं, विकास के दावे, हिंदुत्व और ध्रुवीकरण बीजेपी के औजार साबित हुए हैं। चौथा, बीजेपी की वैचारिकी के सामने विपक्ष एक मजबूत आइडिया नहीं रख पाया है। यानी बीजेपी जिस तरह से देश की राजनीति बदल रही है, उसका विपक्ष के पास

कोई जवाब नहीं है। पांचवां, पार्टी के पास व्यापक सामाजिक समर्थन और जनाधार है।

खासतौर पर महिलाओं और पिछड़ी जातियों से उसे व्यापक समर्थन मिल रहा है। वह सिर्फ अगड़ी जातियों या ब्राह्मण-बनिया की पार्टी नहीं है। छठा, ममता बनर्जी, के चंद्रशेखर राव, एम के स्टालिन और कांग्रेस 2024 लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों की जिस गोलबंदी के अभियान में लगे थे, अब वह कमजोर पड़ सकता है। सातवां, यूपी में बहुमत के साथ सत्ता में वापसी से योगी आदित्यनाथ का कद पार्टी में बढ़ेगा। यह बात इसलिए दिलचस्प है क्योंकि चुनाव से कुछ समय पहले उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने की चर्चा ने काफी जोर पकड़ा था। एक वर्ग उन्हें पहले से राष्ट्रीय राजनीति में मोदी का उत्तराधिकारी मानता आया है। इस जीत के बाद यह बात भी जोर पकड़ेगी। आठवां, आम आदमी पार्टी के दिल्ली में गवर्नेंस मॉडल को पंजाब के लोगों ने मंजूर किया है और पार्टी को उसे राज्य में लागू करने का मौका दिया है। पांच राज्यों के नतीजे यह भी बताते हैं कि बीजेपी के चुनावी आइडिया के बरक्स कम से कम पंजाब में लोगों ने आप के आइडिया को मंजूर किया, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और पानी जैसी बुनियादी चीजें समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने पर जोर है। इससे राष्ट्रीय राजनीति में आप का कद बढ़ेगा और वह गुजरात और हिमाचल प्रदेश में होने वाले आगामी चुनावों में भी अधिक ताकत के साथ उतरेगी। नौवां, लोग बार-बार कांग्रेस को नकार रहे हैं। क्या वाकई गांधी परिवार को अब पार्टी नेतृत्व छोड़ देना चाहिए? आने वाले दिनों में यह बात भी फिर से जोर पकड़ सकती है। यह भी लगता है कि कांग्रेस और अखिलेश यादव जैसे नेता अपनी पार्टी की पुरानी छवि से पीछा नहीं छुड़ा पा रहे। आखिरी बड़ा संदेश इन नतीजों का यह है कि 2024 लोकसभा चुनाव में फिलहाल बीजेपी का पलड़ा भारी लग रहा है। यानी मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बन सकते हैं।

कूटनीतिक कामयाबी

किरीट ए. चावड़ा

यूक्रेन के शहर सूमी में फंसे भारतीय स्टूडेंट्स मंगलवार को वहां से कामयाबी के साथ निकाल लाए गए। उन्हें बसों में बिठाकर यूक्रेन के अपेक्षाकृत सुरक्षित शहरों की ओर ले जाया गया, जहां से ऑपरेशन गंगा के तहत चलाए जा रहे विमानों के जरिए स्वदेश लाया जाएगा। जिन प्रतिकूल हालात में तमाम मुश्किलों के बीच इन 694 स्टूडेंट्स को बचाकर लाया जा रहा है, उसके लिए भारतीय विदेश मंत्रालय और यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास के अधिकारियों की तारीफ करनी होगी। सूमी यूक्रेन के उन कुछेक शहरों में शामिल है, जहां युद्ध की सबसे ज्यादा मार पड़ रही है। स्वाभाविक ही वहां फंसे स्टूडेंट्स खुद को सबसे ज्यादा घिरे हुए महसूस कर रहे थे। बाहर निकलना तो खतरे से खाली नहीं ही था, बंकरों या कमरों में बंद रहना भी इसलिए मुश्किल था क्योंकि इससे खाना और पानी की जरूरत पूरी नहीं हो पा रही थी। एक बार तो वह घड़ी भी आई, जब हर तरफ से लाचार ये स्टूडेंट्स पैदल ही निकल पड़े कि चाहे बम या मिसाइल हमलों में जान चली जाए, पर देश लौटने की कोशिश जरूर करेंगे। बड़ी मुश्किल से भारतीय दूतावास अधिकारी उन्हें समझा-बुझाकर वापस लौटने को राजी कर सके। चूंकि यह शहर रूसी सीमा से करीब है, इसलिए युद्धविराम के बगैर इन स्टूडेंट्स को वहां से सुरक्षित नहीं निकाला जा सकता था। जब रूस ने युद्धविराम की घोषणा की, तब भी इन्हें निकालने का एक प्रयास नाकाम हो गया क्योंकि इन्हें रूस की सीमा से होकर जाने देने के लिए यूक्रेन राजी नहीं था। इससे पता चलता है कि युद्ध के हालात में छोटी-छोटी बातें भी कितनी बड़ी बाधा बन जाती हैं। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद पहल करते हुए यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत की और तब जाकर इन स्टूडेंट्स को वहां से निकालने की ऐसी योजना बन सकी, जिस पर सभी पक्ष सहमत हुए। ऑपरेशन गंगा का यह सबसे कठिन हिस्सा था, जो सफलतापूर्वक पूरा हुआ। हालांकि अब भी कई भारतीय यूक्रेन के अलग-अलग हिस्सों में फंसे हुए हैं। उनके लिए रूस और यूक्रेन की सहमति से मानव गलियारा बनाया गया है। विदेश मंत्रालय ने ऐसे सभी भारतीयों से अपील की है कि मानव गलियारा का फायदा उठाते हुए जो भी साधन उपलब्ध हों, उनसे सुरक्षित क्षेत्रों में आ जाएं। युद्ध है ही ऐसी चीज जिसका सबसे ज्यादा नुकसान उन लोगों को उठाना पड़ता है, जो उसके लिए सबसे कम जिम्मेदार होते हैं। और जो सबसे ज्यादा मजबूर, सबसे ज्यादा लाचार होते हैं। घर-परिवार से दूर किसी अनजान देश में पढ़ने गए स्टूडेंट्स इसी श्रेणी में आते हैं। अच्छी बात यह है कि भारत सरकार न केवल इन स्टूडेंट्स के साथ खड़ी रही बल्कि असाधारण कूटनीतिक कौशल का प्रदर्शन करते हुए इन सबको सुरक्षित अपने देश ले भी आई। इस सफल अभियान से दुनिया भर में फैले एनआरआई समुदाय में भी एक नया आत्मविश्वास भरा है कि किसी भी संकट की स्थिति में उनका देश उनके साथ खड़ा रहेगा।

मोदी-योगी ने यूपी में कैसे रचा इतिहास

गणेश पाण्डेय

पांच राज्यों के चुनाव परिणामों पर केवल उन्हीं लोगों को हैरत हो सकती है, जिन्होंने जमीनी स्थिति का सही आकलन नहीं किया होगा। चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश की यात्रा करने वाले निष्पक्षता से बात करें तो स्वीकार करेंगे कि योगी आदित्यनाथ सरकार और केंद्र की मोदी सरकार के विरुद्ध सामान्य जन में किसी तरह का व्यापक आक्रोश कहीं दिखाई नहीं देता था। सरकार को लेकर जो छोटे-मोटे असंतोष होते हैं, वही थे। इस सरकार ने भारी गलती कर दी है और इसे उखाड़ फेंकना है, ऐसा वातावरण केवल राजनीतिक और गैर-राजनीतिक विरोधियों ने बनाया था। स्थानीय कारणों से बीजेपी को मत न देने की बात करने वाले भी कहते थे कि योगी और मोदी सरकार ठीक है। आम लोगों की इस मानसिकता के रहते किसी सरकार का सत्ता से बाहर हो जाना संभव नहीं है।

मोदी-योगी के नाम पर

इसमें दो राय नहीं कि उत्तर प्रदेश में बीजेपी के ज्यादातर विधायकों के खिलाफ मतदाताओं के साथ-साथ पार्टी के अंदर भी असंतोष था। मगर ऐसे मतदाताओं की संख्या बहुत बड़ी थी, जो कहते थे कि हम योगी और मोदी के नाम पर वोट देंगे। इस तरह सत्ता विरोधी रुझान के समानांतर सत्ता समर्थक रुझान की एक बड़ी रेखा खड़ी थी। दूसरे, मुख्य विपक्षी दल यानी समाजवादी पार्टी ने अपनी चुनाव रणनीति को मूलतः छोटे दलों से गठबंधन और सामाजिक समीकरणों तक सीमित रखा। पूर्व शासनकाल में यादवों और मुसलमानों के विरुद्ध कायम असंतोष का ध्यान रखते हुए अखिलेश यादव ने इन्हें कम से कम टिकट दिया। इसकी जगह उन्होंने स्थानीय सामाजिक समीकरण का ध्यान रखते हुए ऐसी जातियों के लोगों को टिकट दिया, जो मुसलमान और यादव के मूल आधार मत में वृद्धि कर सकें। इसका असर भी हुआ। इसी से एसपी के मतों और सीटों में इतनी भारी वृद्धि हुई है। एसपी राज्य स्तर पर योगी सरकार और बीजेपी के विरुद्ध ऐसे बड़े मुद्दे नहीं उठा पाई, जिनसे जनता में असंतोष और विरोध प्रबल होता। महंगाई और बेरोजगारी जैसी बातें लगभग सभी चुनावों में किसी न किसी रूप में उछलती हैं। इनका अमूमन जितना असर होता है, वही उत्तर प्रदेश में हो रहा था। दूसरी ओर मतदाताओं के बड़े समूह में यह भाव उत्पन्न हो रहा था कि समाजवादी पार्टी सत्ता में आई तो फिर से मुसलमानों और यादवों का आधिपत्य होगा और उनके लिए परेशानियां खड़ी होंगी। कृषि कानून विरोधी आंदोलन इस चुनाव में कहीं भी सरकार विरोधी मुद्दे के रूप में नहीं था। हो भी नहीं सकता था क्योंकि आंदोलन में किसी क्षेत्र की जनता की व्यापक स्तर पर भागीदारी थी ही नहीं।

बीजेपी के लिए हिंदुत्व और उस पर आधारित राष्ट्रीयता का मुद्दा प्रबल होता है, जिसके तहत अनेक विरोधी कारक कमजोर पड़ जाते हैं। बीजेपी नेताओं ने

अपने भाषणों में हिंदुत्व के मुद्दे उठाए, लेकिन इसके तहत किए गए कार्यों जैसे काशी विश्वनाथ धाम का भव्य पुनर्निर्माण, अयोध्या का निर्माण, प्रयागराज में परिवर्तन, विंध्याचल पुनर्निर्माण की कल्पना, जनसंख्या नियंत्रण, धर्म परिवर्तन विरोधी कानून, गोहत्या निषेध आदि को जनता के दिलों में उतारने की लक्षित कोशिश नहीं की। फिर भी इनका असर था। योगी सरकार के विकास कार्यों, अपराध के विरुद्ध उसके प्रखर अभियानों और समाज के गरीब, वंचित तबकों तक पहुंचाई गई कल्याण योजनाओं के कारण बीजेपी के पक्ष में मौन गोलबंदी थी। विपक्ष इन सबको भेदने में सफल नहीं हो सका। बीएसपी की आक्रामक उपस्थिति न होने के कारण उसके मतों का एक हिस्सा एसपी की ओर अवश्य गया, लेकिन यह भी उतना वोट नहीं जोड़ सका जिससे बीजेपी के मजबूत आधार कमजोर हो सकें।

केंद्र सरकार की मुफ्त राशन, आवास, बिजली आदि की योजनाओं ने हर चुनाव में भूमिका निभाई है। चूंकि पंजाब में बीजेपी का अपना व्यापक जनाधार नहीं है, इसलिए वहां उसके अनुकूल परिणाम आने की संभावना नहीं थी। कांग्रेस से अलग होने के बाद कैप्टन अमरिंदर से कांग्रेस के विरुद्ध राज्यव्यापी तीखे अभियान की अपेक्षा थी, लेकिन उन्होंने ऐसा कुछ किया नहीं। अकाली दल बीजेपी से अलग होने के बाद कई मायनों में कमजोर हो गया क्योंकि उसके पास केंद्र के किए गए कार्य भी दिखाने के लिए नहीं रह गए। सच कहा जाए तो पंजाब में सशक्त विश्वसनीय विकल्प के अभाव और राज्य स्तर पर कद्दावर नेताओं की अनुपस्थिति ने राजनीति को ऐसी विकल्पहीन अवस्था में ला दिया, जहां उभरती हुई आम आदमी पार्टी ही लोगों के सामने एकमात्र विकल्प रह गई।

उत्तराखंड में बीजेपी द्वारा नेतृत्व परिवर्तन के कारण समर्थकों में थोड़ी निराशा थी, लेकिन कांग्रेस के प्रति आकर्षण नहीं था। दोनों पार्टियों में अंदरूनी कलह था, लेकिन कांग्रेस केन्द्र से राज्य तक नेतृत्वहीनता की स्थिति में थी। बीजेपी में नरेंद्र मोदी के रूप में एक सक्षम नेतृत्व उपलब्ध था। उत्तराखंड में कोई पार्टी लगातार दूसरी बार सत्ता में नहीं आई थी। ऐसे में इतना बड़ा बहुमत पाना असाधारण विजय है। गोवा में इस बार आम आदमी पार्टी भी सक्रिय थी, लेकिन अंततः जनता ने वहां की दो मुख्य पार्टियों में ही विश्वास जताया। इससे साफ है कि नई पार्टियों को थोड़ा बहुत समर्थन मिलेगा, लेकिन गोवा के लोग नहीं मानते कि ये पार्टियां उनके राज्य की सत्ता उनके अनुकूल चला पाएंगी।

मणिपुर का चुनाव परिणाम स्पष्ट करता है कि बीजेपी केवल वहां की नहीं, पूर्वोत्तर की एक प्रमुख शक्ति बन गई है। तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल के बाद सबसे ज्यादा फोकस पूर्वोत्तर में किया, किंतु मणिपुर का परिणाम बताता है कि उसके लिए चुनौतियां अभी बहुत बड़ी हैं। मजबूत है पकड़

कुल मिलाकर इन चुनाव परिणामों का निष्कर्ष यही है कि अपने प्रभाव वाले राज्यों में बीजेपी अभी भी मजबूत स्थिति में है। विपक्ष में ऐसे नेताओं और पार्टियों का अभाव है, जो बीजेपी के प्रभाव वाले राज्यों में उसे व्यापक क्षति पहुंचा सकें। वस्तुतः केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व संभालने के बाद बीजेपी और पूरे संगठन परिवार ने अपने मुद्दों पर जिस तरह काम किया है, उससे राजनीति का मनोविज्ञान बदला हुआ है। बीजेपी नेतृत्व ने बड़ी गलतियां नहीं कीं तो निकट भविष्य में इन स्थानों पर उसे कमजोर करना संभव नहीं होगा।

क्या सब तबाह करके ही आएगा मानवयुग

भूपेन्द्र पटेल

सतयुग, त्रेतायुग, द्वापर युग और कलियुग के बारे में तो सब जानते हैं, लेकिन अब चर्चा है एक नए युग की। इस युग का प्रस्तावित नाम है- एंथ्रोपोसीन यानी मानवयुग। वैज्ञानिकों के बीच इसे लेकर बहस शुरू हो चुकी है। इंसानी हरकतें जिस तरह से पृथ्वी को बदल रही हैं, उसी के मद्देनजर नए युग को एंथ्रोपोसीन का नाम दिया गया है। हालांकि इस शब्द को अभी आधिकारिक स्वीकृति नहीं मिली है।

पिछले छह दशकों से मनुष्य ने धरती के बुनियादी ताने-बाने से इतनी अधिक छेड़छाड़ की है कि कई प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं, कई विलुप्त होने वाली हैं। वैज्ञानिकों की आशंका है कि इसी रफ्तार से अगले दशक भर में एक अरब तक प्रजातियां विलुप्त हो सकती हैं। यह डायनासोर के लुप्त होने के बाद से सबसे बड़ा विनाश साबित हो सकता है। सेंटर फॉर साइंस की ताजी रिपोर्ट के मुताबिक धरती पर हो रहे पर्यावरण संबंधी बदलावों के लिए 75 प्रतिशत तक मनुष्य जिम्मेदार है। समुद्र में हो रहे बदलावों के लिए भी 66 प्रतिशत तक मनुष्य ही जिम्मेदार है। जंगल में रहने वाले स्तनधारियों के तेजी से सिमटने के लिए 83 प्रतिशत तक मनुष्य दोषी है।

मनुष्य न सिर्फ प्रजातियों के विलुप्त होने का जिम्मेदार है, बल्कि वह यह भी तय कर रहा है कि धरती पर कौन जीवित रहेगा और कौन पनपेगा। रिसर्च बताती है कि धरती पर मौजूद कुल स्तनधारियों में 60 प्रतिशत मवेशी हैं, 36 प्रतिशत सुअर और सिर्फ 4 प्रतिशत जंगली जानवर हैं। वहीं यदि पक्षियों की बात करें तो दुनिया में कुल पक्षियों में 70 प्रतिशत हिस्सा पोल्ट्री फार्म में पलने वाली मुर्गियों और अन्य फार्म पक्षियों का है।

जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट में बताया गया कि दुनिया से रोज करीब 150 प्रजातियां मिट रही हैं। हर साल करीब 55 हजार प्रजातियां लुप्त हो रही हैं। वहीं कुछ रिसर्च में यह भी दावा किया गया है कि 2048 तक दुनिया के समुद्र मछलियों से खाली हो जाएंगे। जूलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने हाल ही में चार से पांच मछलियों की प्रजातियों, दो कछुओं की प्रजातियों और दर्जन भर सांप की प्रजातियों पर लुप्त होने के खतरे बताए हैं।

वहीं सीएसई की रिपोर्ट बताती है कि बीते 15 सालों में भारत में 579 बाघ मारे गए हैं। सबसे अधिक बाघ 2016 और 2021 में मारे गए। दोनों साल 50-50 बाघ मारे गए। इतना ही

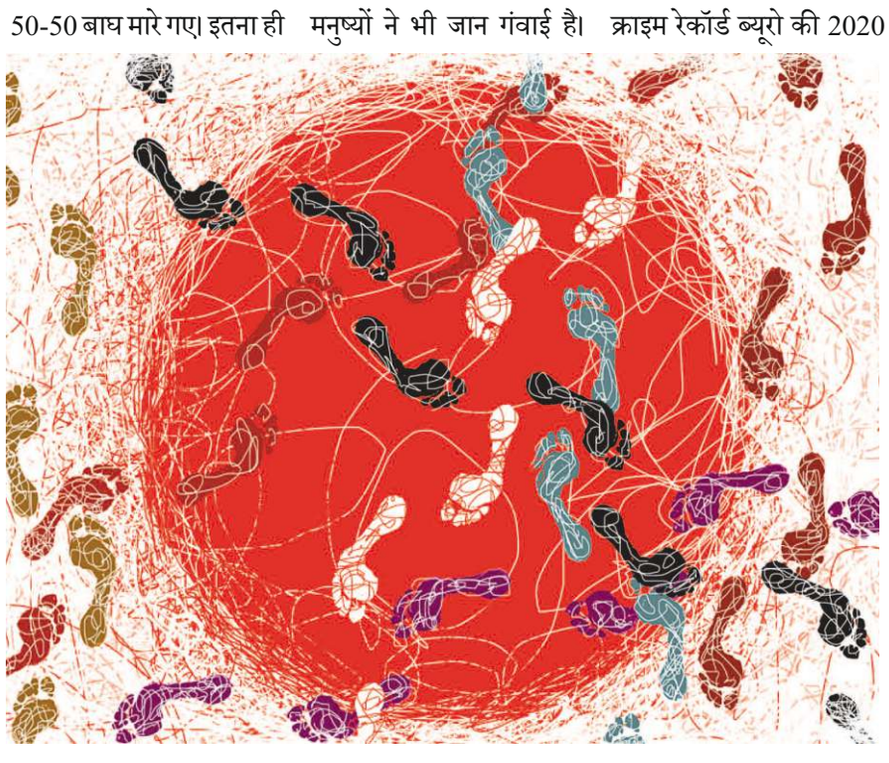

नहीं, हाथियों के साथ भी मानव का संघर्ष बढ़ता जा रहा है। पिछले सात सालों से 696 हाथियों की जान इसी वजह से गई है। इस संघर्ष में 3310 मनुष्यों ने भी जान गंवाई है। खेती और फसलों के बदलते पैटर्न ने हाथियों को खेतों की तरफ आकर्षित किया है।

पर्यावरण से जुड़े अपराध जंगल बिगाड़ रहे हैं। नैशनल क्राइम रेकॉर्ड ब्यूरो की 2020 की रिपोर्ट में 2019 में जहां पर्यावरण संबंधी अपराधों की संख्या 34676 थी, वहीं 2020 में यह बढ़कर 61767 हो गई। इस तरह के 90 प्रतिशत अपराध तमिलनाडु, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में दर्ज हो रहे हैं। ध्यान रहे, अंडमान निकोबार, चंडीगढ़, दादरा व नागर हवेली, दमन और दीव तथा लद्दाख में इस तरह का एक भी मामला 2020 में दर्ज नहीं हुआ।

इसके पीछे एक वजह बढ़ती ऊर्जा की जरूरतें भी हैं। धरती की पहली बायोमास गणना 2019 में हुई थी। इसके मुताबिक धरती पर बायोमास का वजन 550 गीगाटन था। इस सेंसस में सामने आया कि दुनिया के 7.6 अरब लोग पृथ्वी के बायोमास का केवल 0.01 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं। जबकि बैक्टिरिया जैसे सूक्ष्म जीव 13 प्रतिशत और पेड़ 83 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं। लेकिन इसका इस्तेमाल सबसे ज्यादा इंसान ही कर रहा है।

अब सवाल है कि दुनिया का यह हाल क्यों हो रहा है? गौर करने पर पता चलता है कि दुनिया भर में पौधों और जानवरों की लाखों प्रजातियां हैं,

लेकिन इनमें से महज 12 तरह की फसलें और पांच जानवरों की प्रजातियां मनुष्यों को 75 प्रतिशत तक खाना उपलब्ध करा रही हैं। इसी वजह से इंसान इन्हीं का बढ़ना पसंद कर रहा है।

धरती पर किसी और का बढ़ना उसे पसंद नहीं आ रहा है, और प्रकृति को उसकी यह पसंद रास नहीं आ रही है।

लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई

कांग्रेस साथ लड़ती तो गोवा में परिणाम कुछ और होते

गुरुवार को आये पांच राज्यों के चुनावों में से चार में भारतीय जनता पार्टी को बहुमत मिलता नजर आ रहा है। जबकि पंजाब में आम आदमी पार्टी को क्लीन विक्ट्री मिली है। महाराष्ट्र से सटे गोवा में भी भारतीय जनता पार्टी बहुमत के करीब पहुंच चुकी है। गोवा में कांग्रेस और भाजपा के खिलाफ इस बार शिवसेना और एनसीपी ने भी ताल ठोकी थी, लेकिन यहां उन्हें बुरी तरह हार का मुंह देखना पड़ा है। शिवसेना को एक भी सीट नहीं मिली है। शिवसेना की हार पर पार्टी के प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा कि वे अभी हारे नहीं है और यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। कांग्रेस साथ लड़ती तो गोवा में अच्छा होता राउत ने गुरुवार कहा, 'जिसकी जीत होती है, उसका अभिनंदन करने की परंपरा हमारे देश में है, तो मैं अपनी पार्टी की तरफ से उनका अभिनंदन करता हूं। कांग्रेस पार्टी जो सबसे बड़ी पार्टी थी, वो पंजाब में भी हार गई , अगर साथ में लड़ते तो, गोवा में हम अच्छा कर सकते थे।'

बड़ी पार्टी होकर भी कांग्रेस कुछ नहीं कर सकी संजय राउत ने कहा, 'जहां विकल्प मिला, वहां जनता ने विकल्प को चुना है। जैसे पंजाब में जनता ने आप पर भरोसा जताया है। दिल्ली में केजरीवाल के काम को देखते हुए लोगों ने उन पर भरोसा जताया। कांग्रेस इतनी बड़ी पार्टी होकर भी पंजाब हार गई और यूपी में भी कुछ नहीं कर पाई। अगर हम सब विरोधी दल साथ मिलकर चुनाव लड़ते, तो नतीजा कुछ और होता।' गोवा में किस पार्टी को कितनी सीटें मिली। बेहतरीन इलेक्शन मैनेजमेंट की वजह से जीती भाजपा संजय राउत ने कहा कि बीजेपी की जो जीत हुई है, वह उनके बेहतरीन इलेक्शन मैनेजमेंट की जीत है। आप के बारे में कहा कि दिल्ली में उनके परफॉर्मेंस पर जनता ने भरोसा जताया है। साथ ही संजय राउत ने यह भी कहा कि लड़ाई अभी खत्म नही हुई है, अभी जारी रहेगी।

मध्य रेलवे पर एसी लोकल की बढ़ी डिमांड, किराए में कटौती की भी मांग

मुंबई: मध्य रेल पर ठाणे से दिवा के बीच पांचवीं-छठी लाइन तैयार होने से यात्रियों को ही नहीं, रेलवे को भी राहत मिली है। इन लाइन से और लोकल सेवाएं चलाने का विकल्प मिला, तो मध्य रेलवे ने भी 36 एसी लोकल की सेवाएं चला दी। इन सेवाओं के कारण अब प्रति लोकल औसतन 200 यात्री सवारी करते हैं। जब ये लिंक नहीं था, तब मेनलाइन की एसी लोकल में बमुश्किल 55 लोग सवार होते थे। एसी लोकल सेवाओं को और अच्छा प्रतिसाद मिल सकता है, बशर्ते किराए में कमी हो। यात्रियों की शिकायत है कि एसी लोकल का किराया फर्स्ट क्लास से भी डेढ़ गुना ज्यादा है। इतना किराया देकर अगर टाइम पर सर्विस नहीं, मिले तो क्या फायदा। सीजन टिकट में हो रहा है इजाफा लोकल ट्रेनों में आमतौर पर कामकाजी लोग सफर करते हैं, जिन्हें रोजाना ऑफिस आना-जाना होता है। इस तरह के यात्री मासिक, त्रैमासिक या अर्धवार्षिक टिकट लेते हैं, जिसे सीजन टिकट या पास कहते हैं। सीजन टिकट की संख्या में लगातार इजाफा होने का मतलब है कि उतने लोग लंबे समय (कम से कम एक महीने) के लिए सेवा लेना चाहते हैं।

मेनलाइन से हुआ फायदामध्य रेलवे पर पहली बार एसी लोकल ट्रांसहार्बर लाइन पर चली थी। इस रूट पर बहुत ही कम प्रतिसाद मिला। इसके बाद एसी लोकल की सेवाएं हार्बर लाइन पर चलाई गईं। यहां भी यात्रियों ने कोई खास दिलचस्पी नहीं दिखाई, फिर इन्हें मेनलाइन पर चलाया गया, लेकिन फ्रिक्वेंसी बहुत कम होने से लोगों ने यहां भी एसी से दूर रहना ही बेहतर समझा।

भंडाराः शंकरपट के साथ पारंपारिक खेलों का हुआ आगाज

भंडारा. शंकरपट के माध्यम से बैलों की शर्यत लगाई जाती है। परंतु यह शंकरपट बैलों के शर्यत का नहीं बल्कि लोगों की प्रतिष्ठा से जुड़ा खेल है। सभी को मानवीय दृष्टिकोण से ही पारंपारिक शंकरपट का जतन करने का आह्वान जिला मध्यवर्ती बैंक के अध्यक्ष सुनील फुंडे ने किया। लाखनी तहसील के पोहरा में 10 और 11 मार्च को शंकरपट का आयोजन किया गया था। इस शंकरपट का उद्घाटन करते समय सुनील फुंडे ने मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर भाजपा के जिलाध्यक्ष शिवराम गिरेपुंजे, कांग्रेस कमेटी जिला उपाध्यक्ष शफी लद्दानी, सरपंच रामलाल पाटणकर, जिला परिषद सदस्य विद्या कुंभरे, पंचायत समिति सदस्य शारदा मते, अण्णा फटे के सह शंकरपट आयोजन समिति के पदाधिकारी उपस्थित थे।

26 हजार 546 मजदूरों को मिला रोगायो से काम

भंडारा। 2021 के खरीफ मौसम में धान फसल पर रोग व कीट के प्रभाव से धान के उत्पादन में बड़े पैमाने पर कमी आयी है। जिससे तहसील में अकाल जैसे हालात निर्माण हुए हैं। इस पर मात करने के लिए ग्रामपंचायत ने मजदूर प्रधान (अकुशल) कामों की शुरुआत कर 21 मामा तालाब, 19 छोटे बांध का गाद निकाले व नहर को सीधा करने, 17 कृषि से जुड़े कार्य, 5 पुर्नभरण गड्ढे, 6 तबेले निर्माण, 57 घरकुल ऐसी कुल तहसीलों में 125 कामों पर 26 हजार 546 मजदूर कार्यरत है। उपरोक्त जानकारी सहायक कार्यक्रम अधिकारी राहुल गिरेपुंजे ने दी। ग्रामीण परिसर के गरीबी रेखा के नीचे आनेवाले व गरीब परिवार के एक व्यक्ति को वर्ष में 100 दिन रोजगार उपलब्ध करने के लिए केंद्र शासन ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना की शुरुआत की। योजना राज्य में महाराष्ट्र ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के नाम से शुरू है।

महाराष्ट्र में कम हुए कुपोषण के मामले, नंदुरबार में हैं सबसे ज्यादा पीड़ित बच्चे

मुंबई। राज्य के ग्रामीण और शहरी दोनों भागों में साल 2020 के मुकाबले 2021 में बच्चों के बीच कुपोषण कम हुआ है। दिसंबर 2020 में ग्रामीण इलाकों में 73 हजार 12 कुपोषित बच्चे थे। दिसंबर 2021 में इनकी संख्या घटकर 69 हजार 312 हो गई। वहीं शहरी इलाकों में साल 2020 में 16 हजार 139 कुपोषित बच्चे थे जो साल 2021 में घटकर 12 हजार 592 हो गए। राज्य में सबसे ज्यादा 9308 कुपोषित बच्चे नंदुरबार जिले में हैं। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में भी 3258 कुपोषित बच्चे पाए गए हैं। विधानसभा में पूछे गए एक सवाल के लिखित जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री यशोमति ठाकुर ने खुलासा किया है कि ग्रामीण इलाकों में साल 2020 के दिसंबर में 49 लाख 74 हजार 383 बच्चों का वजन लिया गया। इनमें से 45 लाख 12 हजार 736 बच्चों का वजन सामान्य पाया गया।

लेकिन 3 लाख 88 हजार 635 बच्चों का वजन सामान्य से कम था जबकि 73 हजार 12 बच्चों का वजन बेहद कम था। दिसंबर 2021 में 49 लाख 14 हजार 395 बच्चों का वजन करने पर इनमें से 44 लाख 93 हजार 139 सामान्य वजन के मिले जबकि 3 लाख 51 हजार 944 बच्चों का वजन कुछ कम और 69 हजाप 312 बच्चों का वजन बेहद कम था।

नारायण राणे पहुंचे बॉम्बे हाई कोर्ट

दिशा सालियान मामले में दर्ज FIR को रद्द करने की मांग की

मुंबई: केंद्रीय मंत्री नारायण राणे और उनके विधायक बेटे नीतेश राणे ने बृहस्पतिवार को बॉम्बे हाई कोर्ट से दिशा सालियान की मौत के मामले में कुछ बयानों को लेकर उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द किए जाने का अनुरोध किया। मुंबई पुलिस ने मामले में पिछले सप्ताह राणे और उनके बेटे के बयान दर्ज किए थे। उन्होंने उच्च न्यायालय में अपनी याचिका में दावा किया कि दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व प्रबंधक दिशा सालियान की मौत के बारे में कथित रूप से झूठी जानकारी फैलाने के मामले में उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी राजनीति से प्रेरित है। अधिवक्ता लोकेश जादे के माध्यम से याचिका दायर की गई। उच्च न्यायालय ने सुनवाई के लिए अभी तारीख तय नहीं की है। नारायण और भाजपा विधायक नीतेश राणे ने 19 फरवरी को संवाददाता सम्मेलन किया था जिसके बाद उनके खिलाफ कथित मानहानि के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। दिशा की मां ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। याचिका में कहा गया कि कथित घटना 19 फरवरी की है और प्राथमिकी 26 फरवरी को दर्ज हुई जिससे पता चलता है कि यह राजनीति से प्रेरित है। दिशा सालियान ने आठ जून, 2020 को मुंबई के मलाड उपनगर में एक बहुमंजिला इमारत से कूदकर कथित तौर पर जान दे दी थी। इस घटना के छह दिन बाद अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत उपनगर बांद्रा में अपने अपार्टमेंट में मृत मिले थे।

जिले में अनुमान से अधिक हुई ग्रीष्मकालीन धान की रोपाई

गोंदिया. जिले में ग्रीष्मकालीन धान (रबी फसल) की रोपाई का काम पूरा हो चुका है। इस वर्ष सर्वसाधारण रूप से 34 हजार 814 हेक्टेयर में धान की फसल लगाने का नियोजन किया गया था, लेकिन प्रत्यक्ष में 35 हजार 885 हेक्टेयर क्षेत्र में धान की रोपाई की गई है। इसके लिए 5 हजार 757 हेक्टेयर क्षेत्र में धान की नर्सरी लगाई गई थी। कृषि विभाग से तहसीलवार प्राप्त जानकारी के अनुसार गोंदिया क्षेत्र में 5 हजार 804 हेक्टेयर क्षेत्र में धान की फसल लगाई जानी थी, लेकिन प्रत्यक्ष में 4560 हेक्टेयर क्षेत्र में ही धान की रोपाई की गई, जो 69 प्रतिशत रही। तिरोड़ा में 3314 हेक्टेयर क्षेत्र में से 2435 हेक्टेयर में धान की रोपाई की गई। अर्जुनी मोरगांव में 9 हजार 101 हेक्टेयर में से 5 हजार 634 हेक्टेयर में धान की रोपाई की गई। जो 62 प्रतिशत रही। सालेकसा तहसील में 5 हजार 301 हेक्टेयर क्षेत्र में धान की फसल लगाए जाने का अनुमान था, लेकिन प्रत्यक्ष में 4 हजार 287 हेक्टेयर क्षेत्र में ही धान की रोपाई की गई। जो 81 प्रतिशत रही, लेकिन कुछ तहसीलें ऐसी भी रहीं, जहां अनुमानित क्षेत्र से अधिक क्षेत्र में धान की रोपाई की गई। गोरेगांव में 2690 हेक्टेयर में धान की फसल लगाई जानी थी, जबकि प्रत्यक्ष में 3251 हेक्टेयर में यह फसल लगाई गई। जो 121 प्रतिशत रही।

नरिमन पॉइंट को कोलाबा से जोड़ेगा नया सी-लिंक, चार लेन का ब्रिज बनाने का प्रस्ताव

मुंबई:अगले दो साल में नरिमन पॉइंट(Nariman Point) से कोलाबा कफ परेड तक का सफर बेहद आसान हो जाएगा। दक्षिण मुंबई(Mumbai) के इस इलाके में 1.6 किमी. लंबा ब्रिज बनाने की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे(Aditya Thackeray) के इस ड्रीम प्रॉजेक्ट को साल 2024 तक पूरा करने के लिए मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण(एमएमआरडीए) ने टेंडर जारी कर दिया है। आगामी 2 वर्ष में ब्रिज का सिविल वर्क पूरा कर लिया जाएगा।

बता दें कि नरिमन पॉइंट से कफ परेड की दूरी कम करने के लिए समुद्र पर 1.6 किमी. लंबा ब्रिज निर्माण किया जाएगा। समुद्र से होकर गुजरनेवाले इस 1.6 किमी. लंबे ब्रिज पर कुल 4 लेन होंगे। इसमें 2 लेन नरिमन पॉइंट और 2 लेन कोलाबा की तरफ जाने वाले वाहनों के लिए बनाए जाएंगे। ब्रिज के सिविल वर्क पर करीब 284 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

ट्रैफिक से मिलेगी राहत, आवागमन होगा सुलभ

इस ब्रिज के बन जाने से साउथ मुंबई में ट्रैफिक से राहत मिलेगी। बांद्रा-वर्ली सी लिंक से आने वाले वाहन वर्ली के पास बन रहे नए ब्रिज से केवल चंद मिनट में ही कोलाबा तक पहुंच सकेंगे। फिलहाल यह दूरी तय करने में करीब 20 से 30 मिनट का समय लगता है।

मई से शुरू होगा काम

मुंबई के समुद्र पर बनने वाले तीसरे ब्रिज का निर्माण कार्य मई से आरंभ होगा। एमएमआरडीए ने ठेकेदार कंपनी के चयन प्रक्रिया आरंभ कर दी है। आगामी 7 अप्रैल तक ठेकेदार का चयन कर लिया जाएगा। ब्रिज निर्माण के साथ ही ठेकेदार कंपनी को 10 वर्ष तक ब्रिज की मरम्मत का भी जिम्मा संभालना होगा। एमएमआरडीए ने वर्ष 2022-23 के बजट में ब्रिज निर्माण के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। साल 2010 में ही बांद्रा से वर्ली के बीच 5.6 किमी. लंबा सी लिंक तैयार हो चुका था। बांद्रा से वर्सोवा के बीच 17.7 किमी. लंबे सी लिंक का निर्माण कार्य प्रगति पथ पर है।

अब मुंबई से ठाणे पहुंचना होगा आसान

बन रहा है संभावित रोड का ब्लू प्रिंट

मुंबई: साउथ मुंबई (Mumbai) को सीधे ठाणे(Thane) से कनेक्ट करने की योजना पर सरकार ने काम शुरू कर दिया है। आगामी तीन महीने में मुंबई से ठाणे पहुंचने वाले ट्रैफिक मुक्त रास्ते का ब्लू प्रिंट तैयार हो जाएगा। ब्लू प्रिंट तैयार होने के तीन महीने के भीतर प्री टेंडर प्रॉसेस पूरा करने की योजना है। ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर बढ़ती ट्रैफिक की समस्या को ध्यान में रखते हुए एलिवेटेड ईस्टर्न फ्री(Eastern Free Way) वे के विस्तार की योजना बनाई गई है। सरकार ने घाटकोपर में छेड़ानगर जंक्शन से ईस्टर्न फ्री वे को सीधे ठाणे तक विस्तारित करने की योजना बनाई है। फ्री वे सीएसएमटी के करीब से शुरू हो कर चेंबूर के इंडियन ऑयल के करीब खत्म होता है। फ्री वे के ठाणे तक विस्तारित किए जाने के बाद ट्रैफिक जाम की समस्या से जहां लोगों को निजात मिलेगी तो वहीं कम समय में ही ठाणे तक पहुंच सकेंगे। अप्रैल से होगा सर्वे 16.8 किमी लंबे एलिवेडेड रोड को ठाणे तक विस्तारित करने के लिए सर्वे (फिजिबिलिटी स्टडी) करने की प्रक्रिया अप्रैल से आरंभ होगी। जुलाई के मध्य तक सर्वे का काम पूरा कर लिया जाएगा। अक्टूबर तक प्री टेंडर प्रॉसेस की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

15 मार्च को हाईकोर्ट का फैसलाः राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री नवाब मलिक की याचिका

मुंबई। बांबे हाईकोर्ट में शुक्रवार को राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री नवाब मलिक की याचिका पर सुनवाई पूरी हो गई है। हाईकोर्ट ने 15 मार्च 2022 को अपना फैसला सुनाने की बात कही है। याचिका में मंत्री मलिक ने अपनी गिरफ्तारी को अवैध बताया है और प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) द्वारा दर्ज किए गए मामले को रद्द करने की मांग की है। ईडी ने 23 फरवरी 2022 को मंत्री मलिक को मनी लांड्रिंग व माफिया सरगना दाऊद इब्राहिम के साथ कथित संबंधों के आरोप में गिरफ्तार किया था। मंत्री मलिक फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। और जेल में बंद है। शुक्रवार को न्यायमूर्ति पीबी वैराले व न्यायमूर्ति एसएम मोडक की खंडपीठ ने तीन दिनों तक चली लंबी सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों को सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित कर लिया। और 15 मार्च को अपना फैसला सुनाने की बात कही। मलिक की ओर से खंडपीठ के सामने पक्ष रखनेवाले वरिष्ठ अधिवक्ता अमित देसाई ने कहा कि इस मामले में मेरे मुवक्किल की गिरफ्तारी व उन्हें हिरासत में भेजने का आदेश अवैध है।

मुंबई में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान हादसा

दम घुटने से तीन लोगों की दर्दनाक मौत

मुंबई: देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के उपनगर कांदिवली में बृहस्पतिवार दोपहर एक सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान दम घुटने से तीन कर्मचारियों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक यह घटना उस समय हुई जब सफाई कर्मचारी एकता नगर इलाके में एक सार्वजनिक शौचालय के सेप्टिक टैंक में सफाई करने के लिए घुसे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उनके साथ एक अन्य कर्मचारी भाग्यशाली रहा कि वह टैंक में नहीं उतरा था। तीनों कर्मचारियों से कोई संकेत नहीं मिलने पर वह वहां से भाग गया। स्थानीय लोगों द्वारा शोर मचाए जाने के बाद, दमकल और पुलिस कर्मियों की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और बेहोश कर्मचारियों को अस्पताल पहुंचाया, जहां तीनों को मृत घोषित कर दिया गया।

पुणे में भी चार लोगों की मौत

एक सप्ताह पहले मुंबई से तकरीबन दो सौ किलोमीटर की दूरी

पर मौजूद पुणे(Pune) शहर की एक इमारत में सेप्टिक टैंक को साफ करने के दौरान चार मजदूरों की दम घुटने की वजह से दर्दनाक मौत हो गई थी। पुलिस के मुताबिक यह हादसा लोनी कालभोर इलाके में हुआ था। यह यह दुर्घटना सुबह साढ़े ग्यारह बजे की थी। यह सोसाइटी पुणे शहर से 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। सुबह के समय कुछ लोग कदमवाक वस्ति के पीछे बने रिहायशी कॉम्प्लेक्स के सेप्टिक टैंक की सफाई कर रहे थे। जान बचाने में गई दो की जान लोनी कलभोर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेंद्र मोकाशी के मुताबिक प्रथम दृष्टया यह लगता है कि पहले दो लोग इस टैंक को साफ कर रहे थे। जब उनका दम घुटने लगा तब उन्हें बचाने के लिए दो और लोग टैंक के अंदर घुसे। हालांकि दम घुटने की वजह से चारों की मौत हो गई। मरने वाले में दो लोग वे हैं जो सेप्टिक टैंक साफ करने में जुटे हुए थे जबकि दो लोग वो हैं जो इस सोसाइटी में रोजमर्रा के कामकाज देखते थे। ठाणे शहर में भी हो चुका है हादसा सेप्टिक टैंक में सफाई के दौरान होने वाली मौतों का यह कोई पहला वाकया नहीं है। इसके पहले भी देश के कई बड़े शहरों में इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी है। मुंबई से सटे ठाणे शहर की भी एक और सोसाइटी में कुछ साल पहले ऐसा ही मामला सामने आया था। जहां सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान एक मजदूर की दम घुटने की वजह से मौत हो गई थी। अब तक 600 से ज्यादा की मौत आरटीआई से मिली जानकारी के मुताबिक बीते 10 वर्षों में सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान अब तक 600 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग ने सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान साल 2010 से मार्च 2020 के बीच हुई मौतों के संबंध में सूचना के अधिकार के तहत यह जानकारी दी है। इस दौरान 631 लोगों की मौत हुई है। इनमें सबसे ज्यादा मौतें साल 2019 में 115 लोगों की हुई थी। वहीं बीते 10 सालों में इस वजह से सबसे ज्यादा 122 लोगों की मौत तमिलनाडु में हुई। इसके बाद उत्तर प्रदेश में 85, दिल्ली और कर्नाटक में 63- 63 गुजरात में 61 और हरियाणा में 50 लोगों की मौत हुई है।

लक्ष्य : राज्य में बनेंगे 5 हजार इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन, रजिस्ट्रेशन में 157 प्रतिशत बढ़ोतरी

मुंबई। प्रदेश में पर्यावरण पूरक इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल पर जोर देने वाली महाविकास आघाड़ी सरकार ने साल 2025 तक 5 हजार चार्जिंग स्टेशन बनाने का लक्ष्य रखा है। शुक्रवार को राज्य के उपमुख्यमंत्री तथा वित्त मंत्री अजित पवार ने बजट में यह घोषणा की। सरकार ने 2021 से 2025 के लिए महाराष्ट्र इलेक्ट्रिक वाहन नीति मंजूर की है। इसके तहत अप्रैल से दिसंबर 2021 की अवधि में राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों के पंजीयन में 157 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। सरकार ने साल 2025 तक नए वाहनों के पंजीयन में इलेक्ट्रिक वाहनों का हिस्सा 10 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है।

जीवन में बदलाव क्यों जरूरी है?

हम में से बहुत से लोग परिवर्तनों से दूर रहना पसंद करेंगे चाहे वे बड़े हों या छोटे। हालाँकि, परिवर्तन आपकी व्यक्तिगत विकास यात्रा का एक अभिन्न अंग है और अधिकांश भाग के लिए इसे अपनाया जाना चाहिए।

आंतरिक परिवर्तन आपको ध्यान केंद्रित करने में मदद करेगा

परिवर्तन आपको वह व्यक्ति बनने में सक्षम बनाता है जो आप बनना चाहते हैं। स्वयं परिवर्तन का अभ्यास करना और उसे लागू करना आपके द्वारा अनुभव की जाने वाली सबसे पुरस्कृत प्रक्रियाओं में से एक है। यह एक बहुत ही मूल्यवान जीवन कौशल भी प्रदर्शित करता है। यदि आप अपने करियर में उन क्षेत्रों को इंगित करने में सक्षम हैं जिनसे आप नाखुश हैं, या आगे विकास की आवश्यकता है, तो अपने दृष्टिकोण को बदलने में सक्षम होना प्रगति के प्रति प्रतिबद्धता और अपनी क्षमता पर विश्वास दर्शाता है। ठहराव से बचने के लिए, यह महत्वपूर्ण है कि आंतरिक परिवर्तन लगभग लगातार किए जाएं। कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह आपके वर्तमान के तरीके को बदल रहा है, आपके कौशल को विकसित कर रहा है, एक कोर्स कर रहा है या अपनी दिनचर्या बदल रहा है - आप जीवन में अपने खुद के मालिक हैं और एक बड़ी मात्रा में परिवर्तन भीतर से आता है।

बाहरी परिवर्तन आपके जीवन को आकार देगा

कुछ बदलाव हैं जिन्हें हम नियंत्रित नहीं कर सकते। बाहरी परिस्थितियों और परिवर्तनों का अक्सर हमारे करियर पर नाटकीय प्रभाव पड़ता है। ये बदलाव, चाहे वे उस समय अच्छे या बुरे लगें, आपको कुछ नया सिखाएंगे। बाहरी परिवर्तन आपको अधिक लचीला, अधिक समझदार बनाता है और आपको भविष्य के लिए तैयार करता है। जैसे आंतरिक परिवर्तन आपको प्रगति के लिए प्रोत्साहित करेगा, वैसे ही बाहरी परिवर्तन आपको आगे बढ़ने के लिए अनुभव और प्रेरणा देगा। लगभग किसी भी बाहरी परिवर्तन से कुछ सकारात्मक लिया जा सकता है, विशेष रूप से परियोजना प्रबंधन भूमिकाओं में जहां यह अनिवार्य है कि प्रबंधक अपने आसपास के परिवर्तनों के प्रति ग्रहणशील हों। इसलिए, जीवन में आपके सामने आने वाली चुनौतियों से आगे बढ़ने में सक्षम होना स्वस्थ व्यक्तिगत विकास के लिए मौलिक है।

परिवर्तन अवसर और अनुभवों की ओर ले जाता है

आपके करियर में प्रत्येक परिवर्तन एक नए अनुभव को आजमाने या एक नए अवसर का लाभ उठाने का निमंत्रण है। बेशक, इन निमंत्रणों को अस्वीकार किया जा सकता है, लेकिन उन लाभों पर विचार करना महत्वपूर्ण है जो एक नया अनुभव या अवसर आपको या आपकी परियोजना को लाएगा। इन अवसरों को जोखिम भरा बताकर खारिज करना बहुत आसान हो सकता है। यह आपके व्यक्तिगत विकास के लिए संभावित रूप से हानिकारक है क्योंकि जोखिम लेना और विफलता का प्रबंधन करना उस प्रक्रिया का हिस्सा है जिसे हम जीवन कहते हैं। हालांकि, जोखिम को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने का तरीका जानना एक ऐसी प्रक्रिया है जिसे थोड़े से प्रशिक्षण और मार्गदर्शन के साथ सीखा जा सकता है। एक अवसर को स्वीकार करना, एक नई टीम के सदस्य को नियुक्त करना, या यहां तक कि एक पूरी तरह से नई परियोजना भूमिका की कोशिश करना सभी रचनात्मक परिवर्तनों के रूप में गिना जाता है जिन्हें अपनाया जाना चाहिए।

परिवर्तन सुनिश्चित करता है कि खराब स्थितियां समाप्त हों

चाहे वह आपके द्वारा उकसाया गया हो या चाहे वह व्यवस्थित रूप से हुआ हो, परिवर्तन किसी भी स्थिति या किसी भी स्थान से आपका टिकट है जहां आप दुखी या अधूरे हैं। जब तक आप परिवर्तन को अपनाते हैं, आप पाएंगे कि आपकी स्थिति हमेशा के लिए नहीं रहनी है और आप कुछ बड़ा और बेहतर करने के लिए आगे बढ़ेंगे। यदि आप परिवर्तन को अस्वीकार करते हैं, तो आपके करियर में अनुभव और अवसर आपके पास से गुजरने की संभावना है। अपने कौशल में सुधार करने या एक नई परियोजना के प्रबंधन के लिए पाठ्यक्रम लेने से, आपको बढ़ाने और विकसित करने का मौका दिया जाएगा। अपने आप को आगे बढ़ाने के लिए परिवर्तन का उपयोग करें और यदि आपको कुछ पसंद नहीं है - तो इसे बदल दें।

परिवर्तन आपको आगे बढ़ने में मदद करता है

कभी-कभी अतीत हमें रोक सकता है, लेकिन आगे बढ़ना एक धीमी और स्थिर प्रक्रिया है जिसे जल्दी करने के बजाय पोषित किया जाना चाहिए। हर दिन होने वाले छोटे-छोटे बदलाव आपकी प्रगति को प्रोत्साहित करते हैं और आपको उस बुरी स्थिति से एक कदम आगे ले जाते हैं जिसे आपने पीछे छोड़ दिया है। व्यक्तियों के लिए यह सामान्य है कि वे अपने अतीत को अपने व्यक्तिगत विकास का संपूर्ण और अंत बना दें।

इससे अवरुद्ध व्यक्तिगत विकास हो सकता है और इसका मतलब है कि पूरी क्षमता कभी पूरी नहीं होती है। आपका व्यक्तिगत विकास निरंतर होना चाहिए और आगे बढ़ने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अपने जीवन में बदलाव को लागू करना और प्रशिक्षण में निवेश करके अपने व्यक्तिगत विकास को शुरू करना आपके अतीत को एक दूर की याद की तरह लगने में मदद करेगा और आपको उस करियर की भूमिका में कदम रखने में मदद करेगा जिसका आपने हमेशा सपना देखा था।

यह निर्विवाद है, परिवर्तन आपके व्यक्तिगत विकास का अभिन्न अंग है और एक के बिना दूसरे का अस्तित्व नहीं हो सकता।

आप खुद को किसी ऐसे व्यक्ति के रूप में नीचे रख सकते हैं जो बदलाव पसंद नहीं करता है, लेकिन यह हमेशा याद रखना महत्वपूर्ण है कि वैसे भी परिवर्तन अपरिहार्य है। करियर में कई बड़े बदलाव नहीं रुकेंगे और पहले अपनी अनुमति मांग लें।

वे आपकी सहमति से या उसके बिना होंगे। हालाँकि, अभी भी कुछ बदलाव हैं जिन पर आप नियंत्रण कर सकते हैं। इसलिए, बदलाव के मार्ग को अपनाना और रास्ते में इसे अपना बनाना बेहतर है।

विशेषज्ञों की सलाह-डायबिटीज रोगियों के लिए स्वस्थ और पौष्टिक डिनर जरुरी, आहार में इन चीजों को करें शामिल

डायबिटीज रोगियों को अपने आहार का चयन करते समय विशेष सावधानियां बरतनी चाहिए। व्यायाम, स्वास्थ्य देखभाल और स्वस्थ आहार योजना के संयोजन के माध्यम से मधुमेह का प्रबंधन किया जा सकता है। विशेषकर जब बात डिनर की आती है तो आपको और भी सावधानीपूर्ण चयन की आवश्यकता होती है। असल में रात के भोजन को पचने में अधिक समय लगता है , ऐसे में गलत आहार न सिर्फ आपके शुगर लेवल को बढ़ा सकते हैं, साथ ही सेहत पर इसके कई तरह के अन्य नकारात्मक असर भी हो सकते हैं। बेहतर स्वास्थ्य के लिए रात में हल्के भोजन और इसके बाद टहलने की सलाह दी जाती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक डायबिटीज रोगियों को हमेशा उन चीजों को आहार में शामिल करना चाहिए जिनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। ग्लाइसेमिक इंडेक्स खाद्य पदार्थों का वह सूचकांक है, जिससे पता चलता है कि भोजन हमारे ब्लड शुगर लेवल को कितनी जल्दी बढ़ाता है। रात के आहार को स्वस्थ और पौष्टिक रखकर आप वजन को भी आसानी से कंट्रोल कर सकते हैं, जिसे डायबिटीज के प्रमुख जटिलताओं में से एक माना जाता है। आइए आगे की स्लाइडों में जानते हैं कि डायबिटीज रोगियों को रात के भोजन में किन चीजों को शामिल करने से लाभ मिल सकता है? हरी पत्तेदार सब्जियां खाएं

हरी पत्तेदार सब्जियां आवश्यक विटामिन्स, खनिजों और पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं। रक्त शर्करा के स्तर पर भी इनका न्यूनतम प्रभाव पड़ता है। पालक और केल सहित पत्तेदार साग, पोटेशियम, विटामिन-ए और कैल्शियम का प्रमुख स्रोत हैं, साथ ही ये प्रोटीन और फाइबर भी प्रदान करते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया है कि हरी पत्तेदार सब्जियों में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स और स्टार्च-पाचन एंजाइम आपके लिए विशेष लाभदायक हो सकते हैं।

साबुत अनाज को करें शामिल

साबुत अनाज का सेवन डायबिटीज रोगियों के लिए विशेष लाभदायक माना जाता है। परिष्कृत सफेद अनाज की तुलना में ये फाइबर और अधिक पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। मधुमेह वाले लोगों के लिए फाइबर वाले आहार का सेवन अधिक करना चाहिए। फाइबर पाचन प्रक्रिया को आसान बनाने में सहायक हैं। पोषक तत्वों का धीमा अवशोषण रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर रखने में मदद करता है। जौ, बाजरा जैसे साबुत अनाज

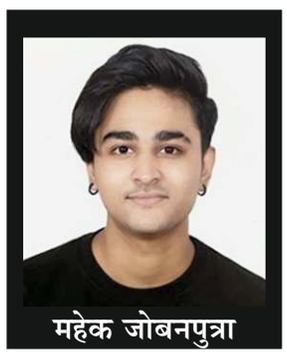

ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) पैमाने पर भी कम होते हैं।

इन चीजों का भी कर सकते हैं सेवन

डायबिटीज रोगियों को रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित बनाए रखने में इन चीजों का सेवन भी लाभदायक हो सकता है।

रात के भोजन के लिए अंडे भी बहुत अच्छे हो सकते हैं। प्रोटीन की पूर्ति के साथ इन्हें कई तरह के पोषक तत्वों से भी भरपूर माना जाता है।

डिनर में सलाद वाली चीजों का सेवन अधिक करें।

फैटीफिश और बीन्स जैसी चीजों का सेवन करना फायदेमंद हो सकता है। रात में सोने से पहले हल्दी वाला दूध जरूर पीना चाहिए।

काम की बात: सोते-सोते सेहत को दे सकते हैं गजब का बूस्ट, घटा सकते हैं इन बीमारियों का जोखिम

शरीर के बेहतर स्वास्थ्य के लिए स्वस्थ-पौष्टिक आहार और नियमित व्यायाम के साथ अच्छी नींद लेना बहुत आवश्यक माना जाता है। अध्ययनों में सभी लोगों को रोजाना रात में 6-8 घंटे की निर्बाध नींद लेने की सलाह दी जाती है। नींद के दौरान शरीर में कई महत्वपूर्ण हार्मोन्स का उत्पादन होता है, जिसे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए बेहद आवश्यक माना जाता है। साल 2020 में अध्ययनों के विश्लेषण में वैज्ञानिकों ने पाया कि रात में सात घंटे से कम की नींद लेने वाले वयस्कों में मोटापे का जोखिम 41 फीसदी अधिक होता है। नींद की कमी वजन बढ़ने और हाई बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) के साथ मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकती है। एक अन्य अध्ययन में विशेषज्ञों ने पाया कि नींद की कमी के कारण शरीर में घ्रेलिन हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है। यह

हार्मोन हमें भूख का एहसास कराती है जबकि लेप्टिन हमें पेट भरा हुआ महसूस कराता है। ऐसे में हमें खाने की इच्छी अधिक होती है जो वजन बढ़ने का कारण हो सकती है। सभी लोगों को रात में 8 घंटे की नींद जरूर पूरी करनी चाहिए। वजन को कंट्रोल करने के साथ आइए जानते हैं इसके और क्या-क्या फायदे हो सकते हैं?एकाग्रता और उत्पादकता में होता है बढ़ावानींद की कमी शारीरिक और मानसिक दोनों तरह के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। मस्तिष्क के कार्यों को बेहतर रखने के लिए पर्याप्त नींद महत्वपूर्ण है। अध्ययनों से पता चलता है कि नींद की कमी आपकी एकाग्रता, उत्पादकता और कार्य प्रदर्शन क्षमता को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि अच्छी नींद लेने वालों में समस्याओं को सुलझाने और याददाश्त की क्षमता अधिक होती है। मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छी नींद बहुत जरूरी मानी जाती है।हृदय रोगों से कर सकते हैं बचावअच्छी नींद आपको हृदय रोगों से बचा सकती है। नींद की कमी जिन स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ाने का कारण बन सकती है, हृदय रोग उनमें से एक है। नींद की गुणवत्ता और अवधि में कमी आपमें हृदय रोग के जोखिम को बढ़ा सकती है। 19 अध्ययनों के विश्लेषण में पाया गया कि प्रतिदिन 7 घंटे से कम सोने वाले लोगों में हृदय रोगों के कारण मृत्यु का जोखिम 13 फीसदी अधिक होता है। इसके अलावा नींद की कमी के कारण उच्च रक्तचाप का खतरा भी बढ़ जाता है, जिसे हृदय रोगों का प्रमुख कारक माना जाता है। इन समस्याओं से बचे रहने के लिए रोजाना पर्याप्त नींद लेना आवश्यक माना जाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि रात में अच्छी नींद लेने वालों में डायबिटीज और इससे संबंधित समस्याओं का खतरा भी कम होता है। नींद की कमी टाइप-2 डायबिटीज और इंसुलिन प्रतिरोध के जोखिम को बढ़ा देती है, जिससे शरीर इंसुलिन हार्मोन का ठीक से उपयोग नहीं कर पाता है और ब्लड शुगर का स्तर बढ़ जाता है।

फेफड़े ही नहीं पेट के लिए भी खतरनाक है वायु प्रदूषण

राजधानी दिल्ली में हवा की गुणवत्ता खतरनाक होने के कारण लोगों का सांस लेना स्वास्थ्य के लिए घातक साबित हो सकता है। खराब हवा के दीर्घकालिक प्रभाव से फेफड़ों पर असर होता है और कैंसर होने का खतरा बढ़ सकता है। हालांकि दिल्ली एनसीआर में हाल ही में आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में जो मरीज आए, उसमें सबसे अधिक पेट की समस्या वाले थे। आंकड़ों पर गौर करें तो आरोग्य मेले में 1978 मरीजों के रिकॉर्ड दर्ज किए गए। जिसमें से 431 मरीज पेट की शिकायत लेकर आए थे। वहीं 421 मरीज सांस लेने की तकलीफ से परेशान मिले। जितने भी मरीज आरोग्य मेले में आए, उसमें से 25 फीसदी बच्चे थे। इसमें पुरुष लाभार्थियों की संख्या 791 और महिलाओं की 691 रही। 496 बच्चे भी उपचार के लिए पहुंचे। बच्चों पर भी प्रदूषित हवा का गहरा असर पड़ रहा है।

वायु प्रदूषण उनके शारीरिक और मानसिक विकास को भी प्रभावित कर रहा है।

वहीं प्रदूषण से नई शारीरिक समस्या के कई मामले सामने आने के बाद बचाव, इलाज के उपाय के बारे में भी जानकारी होना जरूरी है। दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण के कारण लोगों को कई बीमारियों ने घेर लिया है।

खराब हवा का असर फेफड़े, दिल और त्वचा पर हो रहा है। इसके अलावा वायु प्रदूषण का असर पाचन तंत्र पर भी पड़ रहा है। गौतमबुद्धनगर के 33 स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया।

जिसमें गैस्ट्रो यानी पेट में गैस की समस्या के सबसे ज्यादा मरीज इलाज के लिए पहुंचे।

डॉक्टरों ने इसे प्रदूषण का असर बताया। प्रदूषण के कारण जिले में कई लोग बीमार पड़े, इसका अंदाजा एक दिवसीय आरोग्य मेले में शामिल हुए मरीजों की तकलीफ से लगाया जा सकता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष: आज का दिन आपके लिए प्रसन्नता भरा रहेगा, लेकिन आपको अपने कार्यों को करवाने के लिए अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना होगा, तभी आप लोगों से अपने काम निकलवाने में कामयाब रहेंगे। यदि आज पिताजी से मतभेद हो, तो आपको उसमें चुप रहना बेहतर रहेगा, नहीं तो वह लंबा खिंच सकता है।

वृष: आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से उत्तम रहने वाला है। यदि आप नया वाहन खरीदने की तैयारी कर रहे हैं, तो आपकी वह इच्छा पूरी होगी। नौकरी से जुड़े जातको को आज पदोन्नति अथवा वेतन वृद्धि जैसी कोई सूचना सुनने को मिल सकती है। आज आपको लंबे संघर्षों के बाद सफलता मिलती दिख रही है।

मिथुन: आज आपको भाई बहनों का भरपूर सुख मिलता दिख रहा है, जो लोग रोजगार के लिए इधर-उधर भटक रहे हैं, उनको भी आज कोई शुभ सूचना सुनने को मिल सकती है। यदि जीवन साथी से आज कोई वैचारिक मतभेद हो, तो आपको उसमें अपनी बात रखनी होगी। परिवार में आज किसी शुभ व मांगलिक कार्यक्रम पर विचार विमर्श हो सकता है।

कर्क: आज का दिन आपके लिए खर्चों से भरा रहेगा। आपको अपनी आर्थिक स्थिति को लेकर थोड़ा चिंतित भी रहेंगे, क्योंकि आपके खर्चे बेवजह के होंगे, लेकिन आपको मजबूरी में उन्हें करना पड़ेगा। आपको संतान की संगति की ओर भी ध्यान देना होगा, क्योंकि वह किसी गलत संगति में फंस सकते हैं।

सिंह: आज का दिन आपके लिए कुछ निराशाजनक रहेगा। आप अपने व्यापार में जितनी मेहनत करेंगे। आपको उतना लाभ नहीं मिलेगा। परिवार में भी आपसी कलह के कारण परिवार का माहौल अशांतिपूर्ण रहेगा, जिसके कारण आपको तनाव रहेगा। संतान को आज नई नौकरी मिलने के कारण आप प्रसन्न रहेंगे।

कन्या: आज का दिन आपके मान सम्मान में वृद्धि का दिन रहेगा। यदि आप किसी नए वाहन को खरीदने की तैयारी कर रहे हैं, तो वह आपके लिए उत्तम रहेगा, लेकिन आपको आज कुछ शत्रुओं से सावधान रहना होगा, तभी आप अपने कार्य को सफल कर पाएंगे और अपने मन में सकारात्मक विचारों को ही रखना होगा। आप अपने माता पिता को लेकर देव दर्शन की यात्रा पर जा सकते हैं।

तुला: आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। जीवनसाथी से सलाह मशवरा करके आप संतान के भविष्य के लिए कुछ धन निवेश करेंगे। आप अपनी माता जी के लिए कोई उपहार लेकर आ सकते हैं, लेकिन आप अपने व्यवसाय में मन मुताबिक लाभ को पाकर प्रसन्न रहेंगे।

वृश्चिक: आज का दिन आपके लिए उन्नति भरा रहेगा। आप अपनी किसी संपत्ति को पाकर प्रसन्न होंगे, जिसके लिए आप लंबे समय से प्रयासरत थे, रियल स्टेट में इन्वेस्ट करने वाले लोगों के लिए दिन बेहतर रहेगा। वे दिल खोलकर निवेश कर सकते हैं। पिताजी के मार्गदर्शन से आप जिस भी कार्य को करेंगे, उसमे आपको सफलता अवश्य मिलेगी।

धनु: आज आपको शासन सत्ता का भी भरपूर सहयोग मिलता दिख रहा है, लेकिन जो लोग राजनीति की दिशा में कार्यरत हैं, उनको कोई उत्तम लाभ मिल सकता है। व्यापार कर रहे लोगों को अपनी किसी भी डील को फाइनल सोच समझ कर करना होगा। यदि अपने पार्टनर के कहने पर किया, तो वह बाद में उनके लिए परेशानी खड़ी कर सकता है।

मकर: आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको कई महत्वपूर्ण कार्य संपन्न होंगे, जिनके कारण आप चैन की सांस लेंगे। प्रेम जीवन जी रहे लोगों का अपने किसी परिजन से कोई आपसी वाद-विवाद हो, तो आप उसमें अपनी बात उनके सामने रखने में कामयाब रहेंगे।

कुंभ: आज का दिन आप की महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति का दिन रहेगा। दांपत्य जीवन में चल रहे वाद विवाद से आपको छुटकारा मिलेगा, लेकिन आपको अपने किसी भी परिजन की कही सुनी बातों पर भरोसा नहीं करना है, नहीं तो वह आपके लिए कोई परेशानी लेकर आ सकता है।

मीन: आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको जीवनसाथी के करियर में तरक्की देख प्रसन्नता होगी। कोई नई नौकरी भी मिल सकती है। विदेशो में रह रहे परिजन से आपको कोई सूचना सुनने को मिलेगी। आज आपको अपने पिताजी से कुछ धन प्राप्त होगा, जिसे पाकर आप प्रसन्न रहेंगे, लेकिन आपको घर परिवार में किसी भी छोटी मोटी बात पर गुस्सा नहीं करना है।

अजब- गजब

बड़े होंठ पाने की चाहत में 50 हजार खर्च कर बंदर बन गई महिला

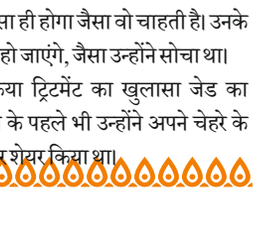

नई दिल्ली। हर बार अच्छे से अच्छा पाने की चाह कई बार परिणाम को बिगाड़ सकती है। परिणाम शायद गलत और डरावना भी हो सकता है। कोशिश में कुछ एसा मिलना जिसके बारे में न सोचा हो और फिर बस इंतजार ही इंतजार करते रह जाना। टिक टोक(Tik-Tok) की अदाकारा जेड ने अंपने अकाउंट पर एक वीडियो को पोस्ट किया है, जिसमें वे काफी भयानक लग रही है। दरअसल, वे अपना लिप फ्लिप ट्रिटमेंट (Lip-Flip Treatment) कराना चाहती थी जिसके बाद उन्होंने विडियो डाली, जिसे देखकर काफी लोगों को ये वीडियो मजाक लगी वही कुछ लोगो ने चिंता भी जताई। इस ट्रिटमेंट के बाद जेड के होंठो के पास काले घेरे बन गए और उनका चेहरा एक बंदर जैसा दिखने लगा। ट्रिटमेंट के लिए जला दिया गया चेहरा जेड के मुताबिक उन्होंने लिप फ्लिप ट्रिटमेंट कराया, जिसके लिए उन्होंने 57,743 हजार रुपए खर्च किए। इस ट्रिटमेंट मे होंठो के आस पास की चमड़ी को जलाया जाता है, जेड के इस ट्रिटमेंट का परिणाम ये तो बिलकुल नहीं निकला की वे आकर्षक दिखने लगी बल्कि उनके होंठो के आस-पास काले घेरे बन गए, जिसके कारण वे एक बंदरिया जैसी दिखने लगी। जेड खुद इस बात को मानती है और वो ये भी कहती है कि वे इससे बिलकुल भी परेशान नहीं हैं।लिप फ्लिप ट्रिटमेंट का हिस्साजेड कहती है कि ये काले घेरे दरअसल, ट्रिटमेंट का ही हिस्सा है। उनका कहना है कि इस ट्रिटमेंट में स्किन को जलाया जाता है इसलिए जला हुआ हिस्सा भूरे रंग का हो जाता है। धीरे-धीरे समय के साथ चमड़ी का रंग वापस आ जाता है और परिणाम वैसा ही होगा जैसा वो चाहती है। उनके होंठ फूले-फूले और बड़े हो जाएंगे, जैसा उन्होंने सोचा था। सोशल मीडिया पर किया ट्रिटमेंट का खुलासा जेड का कहना है कि ये सब होने के पहले भी उन्होंने अपने चेहरे के बारे में सोशल साइटस पर शेयर किया था।

AAP के सीएम उम्मीदवार भगवंत मान 16 मार्च को शपथ लेंगे; 13 मार्च को अमृतसर में करेंगे रोड शो

पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (AAP) ने बंपर जीत हासिल की है। इसी के साथ भगवंत मान का पंजाब के नए सीएम बनने का रास्ता साफ हो गया है। वह 16 मार्च को नवांशहर जिले के खटकरकलां में सीएम पद की शपथ लेंगे। खटकरकलां भगत सिंह का पैतृक गांव है। उन्होंने शपथ ग्रहण समारोह के लिए दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को आमंत्रित किया है। शपथ समारोह से पहले वह 13 मार्च को अमृतसर में रोड शो करेंगे। रोड शो में केजरीवाल के अलावा पार्टी के कई नेता भी मौजूद रहेंगे। कॉमेडियन से नेता बने 48 साल के भगवंत मान ने गुरुवार को कहा कि उनका शपथ ग्रहण समारोह राजभवन में नहीं होगा, बल्कि स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह के पैतृक गांव नवांशहर जिले के खटकरकलां में होगा।

जम्मू-कश्मीर के गुरेज सेक्टर में भारतीय सेना का चीता हेलिकॉप्टर क्रैश; खराब मौसम बनी वजह, दो पायलटों में से एक की मौत

जम्मू-कश्मीर के गुरेज सेक्टर में शुक्रवार को भारतीय सेना का एक चीता हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया है। हादसा के गुजरां नाला के नजदीक बरौन इलाके में हुआ। भारतीय सेना के अधिकारी ने जानकारी दी है कि दो पायलटों में से एक की मौत हो गई है, जबकि दूसरा पायलट घायल हो गया है। अधिकारी के मुताबिक, हेलिकॉप्टर चोरहाह के नजदीक सैनिकों को लेने के लिए जा रहा था। हेलिकॉप्टर लैंड करने ही वाला था, तभी संपर्क टूट गया। राहत बचाव के लिए सुरक्षा बलों का एक दल बर्फीले इलाके में पहुंच चुका है। शुरुआती जांच हादसे का कारण खराब मौसम बताया जा रहा है, बरौन इलाके में इस समय भारी बर्फबारी हो रही है।

CBSE की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं 26 अप्रैल से; ऑफलाइन मोड और एक ही शिफ्ट में होंगे एग्जाम

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 10वीं और 12वीं के लिए टर्म-II एग्जाम 26 अप्रैल से होंगे। इस बार परीक्षा का समय सुबह 10:30 बजे से रहेगा। इसके साथ ही शिफ्ट भी एक ही होगी। यानी बच्चों को दो शिफ्ट में एग्जाम देने जाना नहीं पड़ेगा। दो परीक्षाओं के बीच पर्याप्त समय दिया जाएगा, ताकि एक ही तारीख पर दो सब्जेक्ट का पेपर न पड़े। भारत के अलावा 26 और देशों में CBSE बोर्ड परीक्षाएं होंगी।

लखीमपुर खीरी मामले में एक गवाह पर हमला, 15 मार्च को जमानत के खिलाफ याचिका पर होगी सुनवाई

लखीमपुर खीरी मामले में याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण ने बताया कि उनके एक गवाह पर गुरुवार रात को हमला हुआ। जिसके बाद वकील भूषण ने SC से मामले में जल्द सुनवाई की मांग की। अब, आशीष मिश्रा की जमानत के खिलाफ याचिका पर 15 मार्च को सुनवाई होगी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मामले की सुनवाई 11 मार्च को होगी, लेकिन इसे लिस्ट नहीं किया गया।

पंजाब के CM चन्नी ने दिया इस्तीफा, नई सरकार बनने तक होंगे मुख्यमंत्री

पंजाब के CM चरणजीत सिंह चन्नी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने बताया, 'मैंने अपना इस्तीफा राज्यपाल को दे दिया है। उन्होंने मुझे और कैबिनेट को नई सरकार के शपथ ग्रहण तक बने रहने के लिए कहा है।' चन्नी ने विधानसभा चुनाव हारने के बाद कहा कि मैं लोगों के जनादेश को स्वीकार करता हूं। बता दें कि पंजाब की 117 सीटों पर 92 सीटों पर आप ने जीत हासिल की है। वहीं, कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा है।

पंजाब जीतने के बाद केजरीवाल का हमला, कहा- केंद्र से डरा चुनाव आयोग, MCD चुनाव टालने की तैयारी

दिल्ली के CM अरविंद केजरीवाल ने केंद्र पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि 9 मार्च को दिल्ली चुनाव आयोग ने कहा कि आज शाम 5 बजे MCD चुनावों की तारीखों का ऐलान किया जाएगा। उसी दिन केंद्र ने 4 बजे आयोग से कहा कि हम दिल्ली के तीनों नगर निगमों को एक नगर निगम बनाने जा रहे हैं। इस कारण चुनाव की घोषणा न की जाए। केजरीवाल ने कहा कि लोग कह रहे हैं कि MCD को एक करना तो बहाना है, मकसद चुनाव टालने का है। भाजपा को लग रहा था कि अगर दिल्ली में अभी चुनाव होगा तो आप की लहर है, भाजपा चुनाव हार जाएगी। इस कारण केंद्र ने आयोग को खत लिखकर चुनाव टालने को कहा और आयोग को फैसला बदलना पड़ा। केजरीवाल ने PM से अपील की है कि MCD चुनाव रद्द न हो, क्योंकि लोकतंत्र में चुनाव टालना सही नहीं है।

BJP का गुजरात मिशन:PM मोदी की भगवा टोपी चर्चा में, अहमदाबाद के रोड शो में इस विशेष टोपी के क्या हैं मायने?

उत्तर प्रदेश समेत चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में भगवा लहराने के दूसरे दिन ही PM नरेंद्र मोदी गुजरात पहुंच गए। अहमदाबाद एयरपोर्ट से प्रदेश बीजेपी कार्यालय 'कमलम' तक करीब 10 किलोमीटर का उनका भव्य रोड शो निकला। इस दौरान मोदी भगवा रंग की कमल निशान वाली टोपी में नजर आए, जिसकी खूब चर्चा हो रही है।

दरअसल, यह टोपी भी भाजपा की एक स्ट्रैटजी का हिस्सा है, क्योंकि यह टोपी भाजपा के लाखों कार्यकर्ताओं को भी बांटी गई है। इसके जरिए मोदी ने नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकसूत्र में बांधने की शुरुआत की है। भाजपा ने यह घोषणा की है कि गुजरात के विधानसभा चुनाव तक नेता से लेकर भाजपा का हरेक कार्यकर्ता तक इसी टोपी में नजर आएगा।

बनारस की रैली में बनारसी गमछा, बनारसी टोपी में आए थे

नजर पीएम मोदी ने 4 मार्च को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में पांच साल बाद रोड शो किया था। इस दौरान वे ठेठ बनारसी रंग में नजर आए थे। इस दौरान वे बनारसी गमछा तो सर्दी में पहनी जाने वाली खादी की गर्म सदरी के साथ नेताजी सुभाष चंद्र बोस सरीखी भगवा रंग की टोपी के अनोखे लिबास में नजर आए थे। इस रोड शो में वोकल फॉर लोकल और बनारसीपने का संदेश दिया था।

इजराइल की यात्रा पर हिमाचली टोपी में आए थे नजर

मोदी जुलाई 2017 में इजराइल की यात्रा पर गए थे। उस दौरान उन्होंने हिमाचली टोपी पहनी थी, जिसमें गढ़वाली शैली की झलक थी। यह टोपी उस समय बहुत लोकप्रिय हुई थी और बाद में यह फैशन ट्रेंड में शामिल हो गई थी। इसके बाद राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हिमाचली टोपी की डिमांड बढ़ गई थी।

नेताजी की कैप और ब्रह्म कमल टोपी में भी आ चुके हैं नजर

'आजाद हिन्द फौज सरकार' की 75वीं जयंती के मौके पर 21 अक्टूबर 2018 को लालकिले में हुए समारोह में PM नरेंद्र मोदी आजाद हिन्द फौज की टोपी में नजर आए थे। इसी तरह 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड के दौरान मोदी ने उत्तरांचल की ब्रह्म कमल टोपी पहनी थी। ये दो अलग-अलग स्टाइल की टोपियां भी उस समय काफी चर्चा में रही थीं।

अस्सी के दशक में RSS की काली टोपी में नजर आते थे मोदी

अस्सी के दशक में जब नरेंद्र मोदी आरएसएस के प्रचारक थे, तो वे आरएसएस के हर कार्यक्रम में काली टोपी पहना करते थे। हालांकि समय के साथ मोदी के पहनावे और खासतौर से उनकी टोपियों का रूप बदलता गया।

गुजरात में संघ की बैठक शुरू, संगठन विस्तार पर होगी चर्चा

अहमदाबाद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में निर्णय लेने वाली सर्वोच्च इकाई अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की तीन दिवसीय बैठक शुक्रवार को गुजरात में अहमदाबाद के निकट शुरू हो गई। इसमें संगठन के विस्तार की रूपरेखा पर विचार किया जाएगा। पिराना गांव में हो रही इस बैठक में देशभर से संघ के करीब 1,200 पदाधिकारी व प्रचारक शामिल हो रहे हैं, जिसमें सरसंघचालक मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले शामिल हैं। पत्रकारों से बात करते हुए सह सरकार्यवाह मनमोहन वैद्य ने कहा कि बैठक के दौरान जिन प्रमुख मुद्दों पर विचार किया जाएगा, उनमें संगठन का विस्तार भी शामिल है। उन्होंने कहा कि संघ इस समय देशभर में प्रतिदिन लगभग 60 हजार शाखाओं का संचालन करता है। कोविड से संबंधित प्रतिबंधों में ढील दिए जाने के बाद 97.5 प्रतिशत शाखाओं ने काम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि युवाओं में संघ को लेकर अभिरुचि बढ़ रही है। देश के लगभग 2,300 शहरों में से 94 प्रतिशत में संघ की शाखाएं हैं। अहमदाबाद में आरएसएस की प्रतिनिधि सभा में ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार बढ़ाने के लिए युवाओं को प्रशिक्षण व अन्य सहायता उपलब्ध कराने को प्रस्ताव लाया जाएगा। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील

भाजपा सांसद को पुलिस ने सिविल लाइंस में घुसने से रोका, किरोड़ी लाल बोले- मैं क्या आतंकी हूं, जो ये हो रहा

राजस्थान में सियासी विवाद धमने का नाम नहीं ले रहे हैं। राज्य में आए दिन इस सियासी टकराव देखने को मिलता है। मुख्यमंत्री निवास के बाहर ऐसा ही एक सियासी विवाद देखने को मिला। दरअसल, शुक्रवार को सिविल लाइन में जा रहे भाजपा सांसद किरोड़ी लाल मीणा को पुलिस अधिकारियों ने गेट पर रोक दिया। इससे वे नाराज हो गए। उन्होंने कहा कि मैं कोई आतंकवादी नहीं जो मुझे इस तरह रोका जा रहा है। मैं तो मंत्री अशोक चांदना से मिलने जा रहा था। इसके बाद वे मुख्यमंत्री आवास के सामने धरने पर बैठ गए।

जानकारी के अनुसार सांसद किरोड़ी लाल मीणा खेल मंत्री अशोक चांदना और ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी से मिलने सिविल लाइंस पहुंचे थे। सिविल लाइंस फाटक पर पुलिस ने उनकी गाड़ी के आगे बैरिकेड लगा दिए और आगे जाने से रोक दिया। पुलिस की इस कार्रवाई के विरोध में किरोड़ी मुख्यमंत्री निवास के बाहर धरने पर बैठ गए। उन्होंने पुलिस कमिश्नर को फोन कर कहा कि मैं कोई आतंकवादी नहीं हूं, जो इस तरह आने-जाने से रोका जा रहा है। मैं तो सिर्फ मंत्री से मिलने जा रहा था। भाजपा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि बीते दिन पांच राज्यों में आए चुनाव परिणामों से कांग्रेस बौखला गई है। इस कारण इस तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस का व्यवहार एक सांसद ऐसा है तो आम जनता के साथ साथ क्या होता होगा। बता दें कि किरोड़ी लाल मीणा रीट केस की जांच सीबीआई से कराने की मांग लगातार कर रहे हैं।

गृहक्लेश में परिवार खत्म-मघरोल में पत्नी की चाकू से हत्या कर फरार पति का शव पेड़ से लटका मिला, पत्नी के मायके जाने से नाराज था

आणंद के सोजित्रा तालुका के मघरोल में सास के सामने ही पत्नी की हत्या करने वाले पति ने अपने आप को फांसी लगाकर आत्महत्या करने के बाद सनसनी फैल गई है।

पत्नी की हत्या कर फरार हुए पति का शव एक पेड़ से लटकते हालत में बरामद होने के बाद इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। सूचना पाते ही स्थल पहुंची पुलिस ने अनुमान लगाया है कि पुलिस गिरफ्तारी के डर से भयभीत पति ने आत्महत्या की है।

घरवालों की मर्जी के खिलाफ की थी लव मैरिज फिलहाल पुलिस ने अकस्मात का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार सोजित्रा के मघरोल गांव में रहने वाली भारतीबेन ने 2004 में गांव के निवासी भरत जेठा रोहित के साथ प्रेमविवाह कर दूसरे गांव में स्थायी हुए थे। इस प्रेमविवाह से नाराज भारतीबेन के माता-पिता शुरूआत में उन्हें बुलाते नहीं थे, लेकिन 2008 में उसके पिता का निधन हो जाने के बाद भारतीबेन समय समय पर मायके आती थी। हत्या के बाद भाग निकला था

इस दौरान भरत को शराब की आदत होने के कारण वह हमेशा उसे पीटता था, जिससे परेशान होकर भारतीबेन मायके रहने आ गई थी। जिससे नाराज भरत सोमवार को ससुराल पहुंचा और सास के सामने ही भारतीबेन पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद भरत फरार हो गया था।

आशंका: गिरफ्तारी से बचने के लिए आत्महत्या की देर रात एक पेड़ से लटका हुआ भरत का शव बरामद होने के बाद सरपंच ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाते ही पुलिस ने स्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेते हुए पीएम के लिए रवाना किया। बता दें कि मघरोल निवासी काशीबेन की 6 बेटियों में सबसे छोटी भारतीबेन (38) को अपने वैवाहिक जीवन में एक बेटी और एक बेटे को जन्म दिया था।

सरकार ने कोरोना नियमों का उल्लंघन करने वाले 36 लाख लोगों से वसूला 249 करोड़ रुपये का फाइन, 52 हजार पर हुई FIR

गुजरात पुलिस ने कोरोना वायरस महामारी के बीच पिछले दो सालों में बिना मास्क के घूमते पाए गए 36 लाख से अधिक लोगों से 249 करोड़ रुपये से ज्यादा जुर्माना वसूला है. गुजरात सरकार ने राज्य विधानसभा को यह जानकारी दी है. गुरुवार को प्रश्नकाल के दौरान एक कांग्रेस विधायक द्वारा पूछे गए अलग-अलग सवालों के जवाब में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बताया कि बीते दो सालों में मास्क से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने के मामले में 36.26 लाख लोगों से कुल 249.90 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया है. पटेल गुजरात के गृह मंत्रालय का प्रभार भी संभालते हैं. मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि इस अवधि में पुलिस ने मौके पर जुर्माना न देने वाले लगभग 52,000 लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और महामारी रोग अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है. पटेल के मुताबिक, मास्क से जुड़े नियमों के उल्लंघन को लेकर लगभग 59.85 करोड़ रुपये का

जुर्माना अकेले अहमदाबाद जिले में वसूला गया, जबकि सूरत (29.47 करोड़ रुपये जुर्माना) और वडोदरा (21.01 करोड़ रुपये जुर्माना) इस मामले में दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे हैं. सार्वजनिक स्थानों पर मास्क नहीं पहनने पर 1 हजार का जुर्माना मालूम हो कि गुजरात में मौजूदा समय में सार्वजनिक जगहों पर और वाहनों के अंदर मास्क नहीं पहनने पर 1,000 रुपये का जुर्माना लागू है. जुलाई 2020 में इस संबंध में जुर्माने की राशि 200 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये कर दी गई थी. एक महीने के भीतर गुजरात उच्च न्यायालय के निर्देश के तहत इसे दोबारा बढ़ाकर 1,000 रुपये कर दिया गया था. बीजेपी की 4 राज्यों में जीत का मना जश्न गुजरात बीजेपी ने 10 मार्च को उत्तर प्रदेश सहित चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत का जश्न मनाया और सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित केंद्रीय नेतृत्व की कड़ी मेहनत और समर्पण को दिया. बीजेपी कार्यकर्ताओं ने ढोल की थाप पर नृत्य किया, मिठाइयां बांटी और चुनावी जीत का जश्न मनाने के लिए यहां राज्य पार्टी मुख्यालय में बड़ी संख्या में एकत्र हुए. इस मौके पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गुजरात बीजेपी अध्यक्ष सी आर पाटिल भी मौजूद थे.

पाकिस्तानी इलाके में मिसाइल गिरने पर भारत ने जताया खेद, कहा- तकनीकी खराबी से हुई थी फायर

पाकिस्तान के इलाके में भारतीय मिसाइल के गिरने के मामले में केंद्र सरकार ने बुधवार को बयान जारी किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि 9 मार्च 2022 को नियमित रखरखाव के दौरान एक तकनीकी खराबी के कारण मिसाइल की आकस्मिक फायरिंग हो गई। सरकार ने इसे गंभीरता से लिया है और एक उच्च स्तरीय कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया है। इसके साथ ही मंत्रालय ने इस घटना पर खेद भी जताया है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि पता चला है कि मिसाइल पाकिस्तान के एक इलाके में जाकर गिरी थी। यह घटना जहां बेहद खेदजनक है। राहत की बात यह भी रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। खरखाव के दौरान गड़बड़ी

भारतीय रक्षा मंत्रालय ने पाकिस्तान में

गिरी मिसाइल पर आधिकारिक जवाब देते हुए कहा कि रखरखाव के दौरान गड़बड़ी के कारण मिसाइल फायर होकर पाकिस्तान में जा गिरी थी। हमें इस घटना पर अफसोस है। मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं। आईएसपीआर ने की थी प्रेस कांफ्रेंस

दरअसल, पाकिस्तान का आरोप था कि 9 मार्च को भारत की तरफ से एक 'प्रोजेक्टाइल' फायर किया गया था। पाकिस्तान ने आशंका जताई थी कि ये एक सुपरसोनिक मिसाइल थी जो हरियाणा के सिरसा से दागी गई थी। सिरसा में भारतीय वायुसेना का एक अहम एयर बेस है। खुद पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग, आईएसपीआर के डीजी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया था कि ये मिसाइल बिना वॉर-हेड की थी यानी इसमे बारूद नहीं था और अभ्यास के लिए फायर की गई थी। ये पाकिस्तान के मियां चन्नू इलाके में जाकर गिरी थी. पाकिस्तान ने कहा कि इससे कोई जानमाल का तो कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन ये इंटरनेशनल एविएशन सेफ्टी के प्रतिकूल है और इससे कोई बड़ा हादसा हो सकता था। पाक ने भारतीय दूतावास प्रभारी को किया तलब पाकिस्तान ने यहां भारत के दूतावास प्रभारी को तलब कर 'उड़ने वाली भारतीय सुपर-सोनिक वस्तु' द्वारा उसके हवाई क्षेत्र का कथित रूप से बिना उकसावे के उल्लंघन करने पर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। उसने घटना की विस्तृत एवं पारदर्शी जांच की मांग भी की। विदेश मंत्रालय ने मध्यरात्रि के बाद जारी एक बयान में कहा कि भारतीय राजनयिक को बताया गया कि यह वस्तु भारत में 'सूरतगढ़' से नौ मार्च को स्थानीय समयानुसार शाम 6:43 बजे पाकिस्तान में घुसी थी।

पंजाब कांग्रेस में बड़ी कलह- डिप्टी सीएम रंधावा बोले-सिद्धू ने पार्टी का कत्ल किया, नैतिकता होती तो इस्तीफा दे देते

विधानसभा चुनाव में करारी हार का सामना करने के बाद कांग्रेस पार्टी में बड़े स्तर पर अंतर्कलह सामने आई है। कांग्रेस के दिग्गज नेता और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पंजाब प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू के खिलाफ सरेआम बगावत का बिगुल बजा दिया है। रंधावा का कहना है कि सिद्धू ने ही पंजाब में कांग्रेस का कत्ल किया है और पार्टी हाईकमान ने सिद्धू को पार्टी से न निकालकर बड़ी गलती की है। उन्होंने कहा कि नवजोत सिंह सिद्धू में अगर नैतिकता होती तो वह नतीजों के बाद ही अपना इस्तीफा दे देते। कैप्टन अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री के पद से हटाने में अहम भूमिका अदा करने वाले सुखजिंदर सिंह रंधावा का कहना है कि सिद्धू पर कभी कांग्रेस का कल्चर आया ही नहीं और न ही उन्होंने कभी पार्टी के कार्यकर्ताओं को समझा। उन्होंने कहा कि राहुल और हाईकमान भी सिद्धू पर लगाम नहीं लगा सके जिसका खामियाजा पंजाब में कांग्रेस भुगत रही है। सुखजिंदर रंधावा का कहना है कि हाईकमान को चाहिए था, जब सिद्धू ने धूरी रैली में बोलने से मना कर दिया था तभी बेशक नुकसान होता लेकिन सिद्धू को तुरंत पार्टी से बाहर निकालते। रंधावा ने कहा कि लोगों को पाठ पढ़ाना अलग बात है और उस पर अमल करना अलग। सिद्धू को चाहिए था कि हार की जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत नतीजों के बाद ही पार्टी से इस्तीफा देते।

SPORTS खेल जगत

डे-नाइट टेस्ट में होगी रिकॉर्ड्स की बारिश:भारत के पास घरेलू मैदानों पर लगातार 15वीं सीरीज जीतने का मौका, रोहित खेलेंगे 400वां इंटरनेशनल मैच

बेंगलुरु में भारत और श्रीलंका के बीच शनिवार से दो टेस्ट मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला खेला जाएगा। ये मैच डे-नाइट टेस्ट होगा और पिंक बॉल से खेला जाएगा। मोहाली टेस्ट में मिली एकतरफा जीत के बाद दूसरे मैच के लिए भी टीम इंडिया को जीत का फेवरेट माना जा रहा है। लगातार 15वीं सीरीज जीतने का मौका टीम इंडिया अगर श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतने में सफल रही, तो घरेलू मैदानों पर लगातार 15वीं सीरीज जीतेगी। भारत ने पिछली घरेलू टेस्ट सीरीज नवंबर 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ हारी थी। उस समय महेंद्र सिंह धोनी टीम के कैप्टन थे। उसके बाद से अब तक भारतीय टीम कोई घरेलू टेस्ट सीरीज नहीं गंवाई है। आज तक किसी भी टीम ने अपने घरेलू मैदानों पर इतनी सीरीज नहीं जीती है। टीम इंडिया के बाद दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया का नाम आता है। कंगारू टीम ने अब तक घर में लगातार 10 टेस्ट सीरीज जीती हैं। टीम ने ये कारनामा दो बार किया। ऑस्ट्रेलिया ने पहली सीरीज नवंबर1994 से नवंबर 2000 तक जीती, जबकि दूसरी बार ये कारनामा जुलाई 2004 से नवंबर 2008 के बीच किया था। रोहित का 400वां मैच भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का ये 400वां इंटरनेशनल मैच होगा। टीम इंडिया के लिए तीनों फॉर्मेट में मिलाकर 400 मैच खेलने वाले रोहित 8वें खिलाड़ी होंगे। रोहित शर्मा ने अभी तक 230 वनडे, 125 टी-20 और 44 टेस्ट मैच खेले हैं। हिटमैन से पहले सचिन तेंदुलकर (664), महेंद्र सिंह धोनी (535), राहुल द्रविड़ (505), विराट कोहली (457), मोहम्मद अजहरुद्दीन (433), सौरव गांगुली (421) और अनिल कुंबले (401) 400 से अधिक इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। स्टेन से आगे निकलेंगे अश्विन मोहाली में 6 विकट लेकर रिचर्ड हैडली (431) और कपिल देव (434) का रिकॉर्ड तोड़ने वाले आर अश्विन दूसरे मैच में अगर चार विकेट ले लेते हैं तो टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दुनिया के 8वें गेंदबाज बन जाएंगे। चार विकेट लेते ही अश्विन साउथ अफ्रीका के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन (439) का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। अश्विन ने अभी तक 85 मैचों में 436 विकेट ले चुके हैं।

कोहली को शतक का इंतजार

इंटरनेशनल क्रिकेट में विराट कोहली ने 70 शतक लगाए हैं। बेंगलुरु में अगर कोहली शतक लगाने में कामयाब रहे तो तीनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में संयुक्त रूप से रिकी पोंटिंग (71) की बराबरी कर लेंगे। अगर दोनों पारियों में विराट ने शतक लगा दिया तो वह पोंटिंग को भी पीछे छोड़ देंगे। बता दें कि शतकों के मामले में सबसे आगे सचिन तेंदुलकर (100) का नाम आता है।

बुमराह होंगे 300 विकट के क्लब में शामिल

दूसरे मैच में अगर जसप्रीत बुमराह 5 विकेट लेने में सफल रहे तो इंटरनेशनल क्रिकेट में उनके 300 विकेट पूरे हो जाएंगे।

घरेलू मैदानों पर लगातार सबसे ज्यादा टेस्ट सीरीज जीत

टीम	सीरीज जीतीं	कब से	कब तक
भारत	14	फरवरी 2013	सफर जारी है
ऑस्ट्रेलिया	10	नवंबर 1994	नवंबर 2000
ऑस्ट्रेलिया	10	जुलाई 2004	नवंबर 2008
वेस्टइंडीज	08	मार्च 1997	फरवरी 1986

भारतीय महिलाओं के सामने वेस्टइंडीज की चुनौती-वर्ल्ड कप में आज तक विंडीज से नहीं हारी टीम इंडिया, जाने दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-XI

महिला वर्ल्ड कप में भारतीय टीम शनिवार को टूर्नामेंट में अपना तीसरा मुकाबला वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलेगी। पहले मैच में पाकिस्तान को एकतरफा मुकाबले में हराने के बाद दूसरे मैच में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में विंडीज के खिलाफ होने वाला मुकाबला टीम के लिए बहुत अहम होने वाला है। दोनों के बीच महिला वर्ल्ड कप 2022 का मुकाबला भारतीय समयानुसार सुबह साढ़े छह बजे शुरू होगा। टॉस सुबह छह बजे होगा। इस मुकाबले को स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क के चैनल्स पर अलग-अलग भाषाओं में देख सकते हैं।

वर्ल्ड कप में भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 6 मुकाबले खेले हैं और सभी मुकाबलों में टीम को जीत मिली है। टीम इंडिया को अगर वर्ल्ड कप में बने रहना है तो ये मुकाबला हर हाल में जीतना होगा।

भारतीय टीम के बल्लेबाजों को करना होगा अच्छा प्रदर्शन

भारतीय टीम अभी तक एक भी वर्ल्ड कप अपने नाम नहीं कर पाई है। इस बार टीम इंडिया को वर्ल्ड कप जीतने का फेवरेट माना जा रहा है। ऐसे में टीम को आगे के मुकाबलों में कड़ी मेहनत करनी होगी। खासकर टीम के बल्लेबाजों का प्रदर्शन अभी तक कुछ खास नहीं रहा है। कप्तान मिताली राज ने पाकिस्तान के खिलाफ 40 गेंद में सिर्फ 9 रन बना पाईं थी। वहीं, न्यूजीलैंड के खिलाफ उनके बल्ले से 56 गेंदों में सिर्फ 36 रन निकले। शेफाली वर्मा को पिछले मैच में खराब फॉर्म की वजह से ही बाहर कर दिया गया।

वहीं, स्मृति मंधाना के बल्ले से न्यूजीलैंड के खिलाफ सिर्फ 6 रन निकले। भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ जीतना है तो बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। ये हो सकती है दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन

वेस्टइंडीज ने वर्ल्ड कप में किया है अब तक कमाल का प्रदर्शन

वेस्टइंडीज ने तो इस बार वर्ल्ड कप में कमाल का प्रदर्शन किया है और अपने दोनों मुकाबलों में न्यूजीलैंड और इंग्लैंड जैसी मजबूत टीमों को हरा चुकी है।

देश परदेश

इमरान के मंत्री का आरोप:नवाज शरीफ और मोदी ने काठमांडू में सीक्रेट मीटिंग की थी, भारत के खिलाफ बोलने से डरते थे शरीफ

पड़ोसी देश में भी मोदी-मोदी

मोदी और नवाज सार्क सम्मेलन में मिले थे

2014 में यह सम्मेलन काठमांडू में हुआ था

एक किताब में सीक्रेट मीटिंग का दावा था

पाकिस्तान की इमरान खान सरकार में मंत्री फवाद चौधरी ने आरोप लगाया है कि पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने नरेंद्र मोदी से काठमांडू में एक सीक्रेट मीटिंग की थी। चौधरी ने ये भी कहा कि शरीफ भारत से डरते थे और उन्होंने अपने मंत्रियों से भारत के खिलाफ बयानबाजी न करने को कहा था। शरीफ और मोदी की सीक्रेट मीटिंग का आरोप पाकिस्तान की सियासत में पहले भी लगाया जाता रहा है।

इमरान सरकार के खिलाफ विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव ला चुका है। इस पर वोटिंग बाकी है। माना जा रहा है कि विपक्ष की एकजुटता के चलते इमरान सरकार का गिरना तय है और इसी वजह से इमरान और उनके मंत्री बयानबाजी कर रहे हैं। पहले जानिए चौधरी ने क्या कहा फवाद चौधरी इन्फॉर्मेशन मिनिस्टर और इमरान के बेहद करीबी हैं। गुरुवार रात उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और पूरे विपक्ष पर बेहद गंभीर आरोप लगाए। इसी दौरान कहा- नवाज शरीफ भारत से डरते थे। उन्होंने अपने मंत्रियों से साफ ऑर्डर दिए थे कि भारत के खिलाफ बयानबाजी न की जाए। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उन्होंने काठमांडू में सीक्रेट मीटिंग की थी। अगर ये आरोप गलत हैं तो इतने साल बाद भी किसी ने इसका खंडन क्यों नहीं किया। मोदी नवाज के घर शादी में ऐसे ही नहीं आ गए थे। मोदी और शरीफ के बीच दोस्ताना रिश्ते हैं। अब जानिए, ये आरोप फिर क्यों लगे

मोदी 2014 में प्रधानमंत्री बने। इसी साल नेपाल की राजधानी काठमांडू में सार्क सम्मेलन हुआ था। एक भारतीय पत्रकार की किताब में दावा किया गया था कि सार्क सम्मेलन के दौरान ही नवाज और मोदी ने एक घंटे तक सीक्रेट बातचीत की थी। मीटिंग का ऑर्गनाइजर एक भारतीय कारोबारी और पूर्व सांसद था। मीटिंग काठमांडू के एक बड़े होटल में हुई थी। मीटिंग से जुड़े ये आरोप 2018 में भी लगे थे। तब इमरान चुनावी मैदान में थे और बाद में प्रधानमंत्री बने। हालांकि, आज तक मोदी या शरीफ और उस कारोबारी ने इस मामले में कोई बयान नहीं दिया। 2015 में भारतीय विदेश मंत्रालय के तब के प्रवक्ता विकास स्वरूप से भी यह सवाल किया गया था, लेकिन उन्होंने कोई भी कमेंट करने से इनकार कर दिया था।

अब सियासी मजबूरी पाकिस्तान के तमाम विपक्षी दल इमरान की अल्पमत सरकार के खिलाफ एकजुट हो गए हैं। तारीख तय नहीं है, लेकिन अगले कुछ दिनों में अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग भी होनी है। तमाम पाकिस्तानी मीडिया ये मानकर चल रहा है कि हर मुद्दे पर नाकाम रही इमरान की सरकार का गिरना तय है। खुद इमरान खुलेआम विपक्ष के नेताओं को गंभीर नतीजे भुगतने की धमकी दे रहे हैं। पाकिस्तान में कोई भी सरकार फौज के समर्थन के बिना चल ही नहीं सकती।

इस बार ये कहा जा रहा है कि इमरान को प्रधानमंत्री बनाने वाली फौज उनसे बेहद नाखुश है और वो विपक्षी सांसदों पर सरकार के पक्ष में वोटिंग के लिए दबाव नहीं डालेगी। पाकिस्तान में इसके लिए 'कॉल आना' शब्द का इस्तेमाल किया जाता है। मीडिया का कहना है- इमरान का जाना तय है, क्योंकि अपोजिशन मेंबर्स को कॉल नहीं आ रहीं।

रूस में अनिवार्य सेना भर्ती-यूक्रेन से लड़ने के लिए होंगी एक लाख नई भर्तियां, संसद में नया कानून पारित कर नियमों को बनाया सख्त

यूक्रेन पर हमले के 15 दिन बीत जाने के बाद अब रूस का हौसला डगमगाने लगा है। रूस की लगभग पौने दो लाख की फौज दो हफ्ते बाद सेना भी लड़ते-लड़ते बुरी तरह से थक गई है। जिसके चलते हमले की रफ्तार बहुत धीमी पड़ गई है। जवानों की इसी कमी को देखते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन बेहद चिंतित हैं और अनिवार्य सेना भर्ती खोल दी है। जिसके तहत यूक्रेन के लिए एक लाख नई भर्तियां होंगी। यही नहीं, रूसी संसद में नया कानून पारित कर अनिवार्य भर्ती के लिए नियमों को और सख्त बनाया है।

पुतिन को फौज की कमी

पिछले कुछ समय से नई भर्ती खोलने की प्रक्रिया बंद थी। लेकिन अब रूस में 18 से 27 साल तक के लोगों को अनिवार्य रूप से सेना में कम से कम दो साल की कां करना पड़ेगा। भर्ती में शामिल न होने वाले लोगों को दो साल से चार साल तक की सजा दी जाएगी। पहले रूसी सेना की ओर से योग्य युवाओं को पत्र भेजा जाएगा, यदि दो सप्ताह के भीतर वह नहीं आते हैं, तो उन्हें जेल में डाल दिया जाएगा। 1 अप्रैल तक एक लाख नई भर्तियां होंगी। पकड़े गए कई सिविलिन यूक्रेन ने युद्ध के दौरान ऐसे कई रूसियों को पकड़ा है जो कि रूसी सेना के नियमित फाैजी नहीं हैं। पकड़े गए ऐसे कई लोगों के वीडियो यूक्रेनी सेना ने वायरल किए हैं। रूसी सेना ने युद्ध की शुरुआत में अनिवार्य सेना की सेवा वाले फौजियों को युद्ध में नहीं उतारने का ऐलान किया था। लेकिन अब रूस ने ऐसे फाजियों के युद्ध में शामिल होने की बात स्वीकारी है।

ब्रिटेन ने 7 रूसियों की संपत्ति फ्रीज की ब्रिटेन में गुरुवार को सात और रूसी धनकुबेरों की संपत्ति पर रोक लगा दी गई है। इन सभी की संपत्ति लगभग 1.12 लाख करोड़ रुपए है। जिन रूसी कुबेरों की संपत्ति फ्रीज की गई, उनमें चेल्सिया फुटबॉल क्लब के मालिक रोमन अब्रामोविच, रूसी तेल कंपनी रोजनिफ्त के मालिक इगोर सेनचिन, रूसिया बैंक के चेयरमैन दिमित्री लेबेदेव, पाइप लाइन कंपनी के मालिक निकाेलाई तोकारेव और ऊर्जा कंपनी गाजप्रोम के एलेक्सी मिलर शामिल हैं। ब्रिटेन में अब तक 48 रूसी कुबेरों की संपत्ति फ्रीज हो चुकी है।

ऑपरेशन गंगा-सुमी में फंसे सभी 694 भारतीयों का रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा, भारतीय दूतावास की बसों से पोल्टावा लाया गया

यूक्रेन के सुमी शहर में फंसे 694 भारतीय छात्रों को रेस्क्यू कर लिया गया है। ये सभी छात्र भारतीय दूतावास की बसों से पोल्टावा पहुंचे। केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने इस बारे में जानकारी दी। खास बात यह रही कि भारतीय मिशन ने सुमी से विदेशी छात्रों को भी रेस्क्यू किया। इसके साथ ही यूक्रेन में भारतीय छात्रों का रेस्क्यू मिशन लगभग पूरा हो गया है। इससे पहले एक स्पेशल फ्लाइट यूक्रेन से 200 भारतीय छात्रों को रोमानिया के सुसेवा से लेकर दिल्ली पहुंची। आज सुसेवा से एक फ्लाइट और आएगी। यूक्रेन से लौटे एक छात्र ने कहा- "जब हम बस में यात्रा कर रहे थे, वहां कोई बम विस्फोट नहीं हुआ। सरकार और दूतावास ने हमारी बहुत मदद की, हम वापस आकर बहुत खुश हैं।" यूक्रेन में फंसे करीब 20 हजार भारतीयों में से करीब 17,400 लोगों को एयरलिफ्ट करके भारत लाया जा चुका है। यूक्रेन के पड़ोसी देशों से भारतीयों को लाने के मिशन को ऑपरेशन गंगा नाम दिया गया है। इसमें से हंगरी और पोलैंड से एयरलिफ्ट का काम पूरा हो गया है। इंडियन एयरफोर्स ने भी ऑपरेशन गंगा में भाग लिया। एयरफोर्स के C-17 ग्लोबमास्टर की 10 उड़ानों से 2056 यात्रियों को वापस लाया गया था। इधर, यूक्रेन से पढ़ाई अधूरी छोड़कर जाने वाले छात्रों को हंगरी की यूनिवर्सिटीज ने राहत की पेशकश की है। हंगरी ने भारत, नाइजीरिया और अन्य अफ्रीकी देशों के छात्रों को हंगरी के विश्वविद्यालयों में अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए कहा है। पूरे यूक्रेन में सीजफायर के बाद सुमी स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी में फंसे भारतीय छात्रों को निकाला जा रहा है। उनके लिए बसों का प्रबंध किया गया है। उम्मीद है कि आज सभी को बाहर निकाल लिया जाया जाएगा।

बता दें कि यहां करीब 600 भारतीय स्टूडेंट्स फंसे हैं। उन्होंने वीडियो जारी कर कहा था कि अगर उन्हें कुछ होता है तो इसके लिए भारत सरकार और दूतावास जिम्मेदार होगा। गोली लगने से घायल हरजोत सिंह भी दिल्ली लौटे यूक्रेन की राजधानी कीव में गोली लगने से हुए घायल भारतीय छात्र हरजोत सिंह मंगलवार को दिल्ली पहुंचे। उन्हें सड़क मार्ग पर 700 किलोमीटर का सफर तय कराकर यूक्रेन का बॉर्डर पार कराया गया था। भागदौड़ के बीच उनका पासपोर्ट भी खो गया था।

शादी का ऑफर:कार्तिक आर्यन से फैन ने कहा-मुझसे शादी कर लो 20 करोड़ रुपए दूंगी, एक्टर ने दिया मजेदार जवाब

एक्टर कार्तिक आर्यन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। वे आए दिन अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स और डेली लाइफ से जुड़ी पोस्ट भी शेयर करते रहते हैं। अब हाल ही में उन्होंने अपना एक वीडियो शेयर किया है। जिसपर कमेंट कर उनकी एक फैन ने उन्हें शादी के लिए एक शानदार ऑफर दिया है। फैन के ऑफर पर कार्तिक ने भी मजेदार जवाब दिया। अब कार्तिक का यह वीडियो और फैन के कमेंट पर उनका जवाब काफी वायरल हो रहा है।

मुझसे शादी कर लो 20 करोड़ रुपए दूंगी

दरअसल, कार्तिक आर्यन ने अपनी एक नन्ही फैन के साथ एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वह बच्ची कार्तिक की फिल्म 'धमाका' का एक डायलॉग बोलते नजर आ रही है। इसके कैप्शन में कार्तिक ने लिखा, "क्यूटेस्ट अर्जुन पाठक।" उनके इस वीडियो पर कई फैंस कमेंट कर जमकर प्यार बरसा रहे हैं। वहीं एक फैन ने कमेंट कर कार्तिक से कहा, "मुझसे शादी कर लो 20 करोड़ रुपए दूंगी।" इस पर कार्तिक ने भी मजाक में जवाब दिया, "कब?" इसके साथ ही एक्टर ने हंसने वाली इमोजी भी शेयर की है। फैन का यह ऑफर और कार्तिक का जवाब अब चर्चा में बना हुआ है।

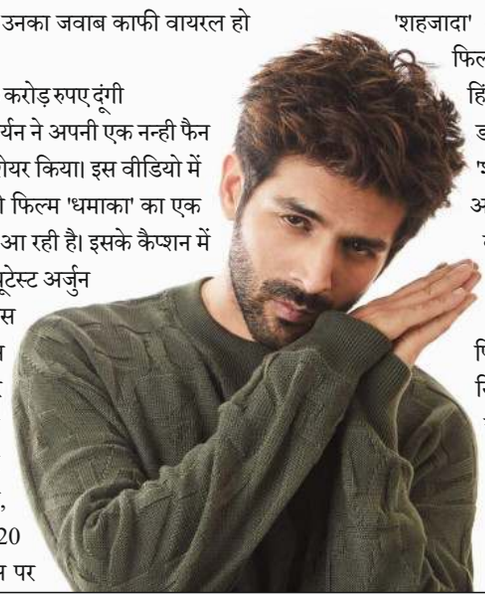

कार्तिक आर्यन के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

वर्क फ्रंट की बात करें तो कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'शहजादा' की शूटिंग में बिजी हैं। 'शहजादा' अल्लू अर्जुन की तमिल फिल्म 'अला वैकुंठपुरमुलु' का हिंदी रीमेक है। रोहित धवन के डायरेक्शन में बन रही 'शहजादा' में कार्तिक के अलावा परेश रावल, रोहित बोस रॉय, मनीषा कोइराला, सचिन खेड़कर और अंकुर राठी भी लीड रोल में हैं। फिल्म को 4 नवंबर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म के अलावा कार्तिक जल्द ही 'भूल भुलैया 2', 'फ्रेडी' और 'सत्यनारायण की कथा' में भी नजर आने वाले हैं।

मूवी रिव्यू:दम तोड़ती नजर आई प्रभास-पूजा की लव स्टोरी, 'राधे श्याम' दिलों को छूने में नाकाम

'पुष्पा' की भव्य कामयाबी के बाद और 'वलिमै' के फ्लॉप होने के बाद फिर से एक साउथ की फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज हुई हैं। लेकिन पिछली दो फिल्मों की तरह, आज रिलीज हुई 'राधे श्याम' डब नहीं हुई है बल्कि दो भाषाओं (तमिल और हिंदी) में शूट हुई है।

कहानी: राइटर कंफ्यूज है और लव स्टोरी वाला मजा नहीं

प्रभास और पूजा हेगड़े एक दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं। जहां पूजा डॉक्टर हैं वहीं प्रभास हाथों की लकीरें पढ़ने में माहिर हैं। कहा जाता है कि प्रभास की भविष्यवाणियां सोलह आने सच होती हैं। तो आप समझ ही गए होंगे कि एक प्रेम कहानी के साथ-साथ, यह फिल्म विज्ञान और ज्योतिष विद्या के बारे में भी है। परेशानी तो तब आती है जब डॉक्टरों के मुताबिक पूजा की जानलेवा बीमारी उसे दो महीनों से ज्यादा जिंदा नहीं रहने देगी, लेकिन प्रभास की भविष्यवाणी कहती है कि पूजा के मरने में बहुत साल बाकी हैं। एक और परेशानी का विषय यह है कि प्रभास के हाथों में प्रेम की लकीर है ही नहीं। फिर प्रभास और पूजा की प्रेम कहानी का क्या होता है, खास इसलिए क्योंकि प्रभात ज्योतिष विद्या पर बहुत ज्यादा विश्वास रखता है।

राधा कृष्ण कुमार की कहानी में आज के युवक-युवतियों के लिए कुछ विशेष नहीं है क्योंकि उन्हें भविष्यवाणियां, सितारे क्या बोलते हैं इन सब में कम दिलचस्पी है। वैसे भी, लेखक को खुद पता नहीं कि वह एस्ट्रोलॉजी को बढ़ावा देना चाहते हैं या यह साबित करना चाहते हैं की एक प्रबल इंसान या तो अपनी तकदीर खुद लिखता है या भाग्य के लिखे को बदलने की हिम्मत और साहस रखता है। राधा कृष्ण कुमार की पटकथा की सबसे कमजोर कड़ी यह है कि जब प्रभास बेहद बीमार पूजा को अपनी भविष्यवाणी का वास्ता देकर आशा की किरण दिखाता है तो पूजा के चाचा नाराज हो जाते हैं और प्रभास को हॉस्पिटल से बाहर निकालने को कहते हैं। ऐसा क्या कर दिया था प्रभास ने जो उन्हें 'गेट आउट' कर दिया गया, पूजा की हिम्मत ही तो बढ़ाने की कोशिश की थी। क्लाइमेक्स से पहले, जब प्रभास हॉस्पिटल में बेहोश पड़ी पूजा से बात करते हैं, उस सीन में दर्शक के आंसू निकलने बहुत जरूरी हैं, मगर ऐसा नहीं होता है। क्लाइमेक्स में भले ही विजुअल इफेक्ट और कंप्यूटर ग्राफिक्स भरपूर हैं लेकिन वह स्टंट वाला क्लाइमैक्स दिलों को नहीं छूता है। अब्बास दलाल और हुसैन दलाल के डायलॉग्स ठीक है लेकिन इस प्रकार की लव स्टोरी में जबरदस्त डायलॉग्स जरूरी थे।

एक्टिंग: एक्टिंग अच्छी पर सीन कर रहे हैं मजा खराब

प्रभास न सिर्फ बहुत हैंडसम लगे हैं पर उनकी एक्टिंग भी अच्छी है। उन्होंने खास इस फिल्म के लिए, अपनी फिजिक पर कड़ी मेहनत की है, जिसकी दाद देनी पड़ेगी। पूजा हेगड़े भी बहुत खूबसूरत दिखती हैं और उनकी परफॉर्मेंस अच्छी है। सचिन खेडेकर का काम काफी सराहनीय है। प्रभास की मम्मी की भूमिका में भाग्यश्री के पास कोई ठोस सीन नहीं। कुणाल रॉय कपूर की कॉमेडी कमजोर है - उनकी एक्टिंग की वजह से नहीं बल्कि कमजोर सींस के कारण। मुराली शर्मा और अनुराधा पटेल को क्यों कास्ट किया है समझ नहीं आता है। उनको बोलने के लिए डायलॉग न के बराबर हैं। पूजा की दादी से रोल में बीना औसत हैं। परमहंस के रोल में सथ्यराज की एक्टिंग औसत है।

डायरेक्शन एंड म्यूजिक: दोनों चीजें और बेहतर हो सकती थीं

राधा कृष्ण कुमार का निर्देशन कुछ विशेष नहीं है। डायरेक्टर ने बड़े कैनवस की फिल्म बनाई है और शूटिंग बहुत ही खूबसूरत लोकेशन पर की है। लेकिन फिल्म दिलों को नहीं छू पाती है। मिथुन, मनन भारद्वाज और अमाल मलिक के संगीत में मेलोडी है लेकिन ऐसी लव स्टोरी में सुपरहिट संगीत का होना अच्छा होता है। इस फिल्म में गाने हिट नहीं है। गानों के बोल (कुमार, मनोज मुंतशिर, मिथुन और रश्मि विराग) अच्छे हैं। वैभवी मर्चेंट की कोरियोग्राफी मजेदार है। संचित बल्हारा और अंकित बल्हारा का पार्श्व संगीत ठीक-ठाक है।

मनोज परमहंस के कैमरावर्क की तारीफ करनी पड़ेगी। जिस तरह फॉरेन लोकेशन आंखों को ठंडक पहुंचाते हैं, उसी तरह कैमरावर्क भी आनंद देता है। निक पॉवेल और पीटर हैंस के एक्शन सीन और स्टंट अच्छे हैं लेकिन थ्रिल एलिमेंट थोड़ा ज्यादा होना चाहिए था। कोतागिरी वेंकटेश्वर राव की एडिटिंग ज्यादा टाइट होती तो पब्लिक का मजा बेहतर होता।

कंक्लूजन: बेड़ा पार होना आसान नहीं

कुल मिलाकर, राधेश्याम के फ्लॉप होने के चांस ज्यादा है, क्योंकि यह कहानी दिलों को नहीं छू पाती है। यह बहुत बड़े बजट में बनी है यह भी एक अहम कारण है कि इसकी लागत पूरी नहीं होगी।

ऋतिक-सबा रिलेशनशिप:सुजैन से तलाक के 8 साल बाद ऋतिक रोशन को 17 साल छोटी सबा आजाद से हुआ प्यार, क्या जल्द करेंगे शादी?

एक्टर ऋतिक रोशन इन दिनों अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड सबा आजाद के साथ रिलेशनशिप में होने की खबरों को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। अब हाल ही में एक इंटरव्यू में ऋतिक और सबा के करीबी दोस्त ने दोनों की शादी की खबरों को लेकर खुलासा किया है। ऋतिक-सबा को कई मौकों पर एक साथ स्पॉट किया जाता है। लेकिन, दोनों ने अब तक अपने इस सीक्रेट रिलेशनशिप को लेकर किसी भी तरह का कोई ऑफिशियल बयान नहीं दिया है।

करीबी दोस्त ने बताया-जल्दबाजी नहीं करना चाहते ऋतिक-सबा

ऋतिक-सबा के एक करीबी दोस्त ने बताया, "दोनों ही एक-दूसरे को बेहद पसंद करते हैं। ऋतिक की फैमिली को भी सबा काफी पसंद आई हैं। ऋतिक की ही तरह उनकी फैमिली भी सबा के म्यूजिक वर्क को काफी पसंद करती है। हाल ही में आजाद जब सबा ऋतिक के घर गईं थीं, तो उन्होंने वहां सिंगिंग का छोटा सा एक सेशन भी किया था। ऋतिक और उनकी फैमिली ने इसे काफी एन्जॉय किया। ऋतिक और सबा साथ हैं, लेकिन वह किसी भी चीज को लेकर जल्दबाजी नहीं करना चाहते हैं।" इसका मतलब है कि दोनों को अभी शादी की जल्दी नहीं है। लेकिन, उनके करीबी दोस्त ने दोनों के रिलेशन में होने की खबरों को कंफर्म कर दिया है।

पिछले 2-3 महीनों से एक दूसरे को कर रहे हैं डेट

बताया गया था कि ऋतिक रोशन और सबा आजाद एक ऑनलाइन डेटिंग ऐप पर मिले थे। लेकिन नई रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों की दोस्ती की शुरुआत ट्विटर से हुई है। रिपोर्ट की मानें दोनों पिछले 2-3 महीनों से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। बताया गया है कि ऋतिक ने ट्विटर पर सबा का एक सिंगिंग वीडियो शेयर किया था, उसके बाद से ही दोनों की दोस्ती शुरू हुई थी। अब दोनों को एक-दूसरे की पोस्ट पर प्यार भरे कमेंट करते भी देखा जाता है।

मुंबई के एक रेस्टोरेंट के बाहर हुए थे स्पॉट

ऋतिक और सबा के लिंक-अप की खबरें तब सामने आईं थीं, जब दोनों को मुंबई के एक रेस्टोरेंट के बाहर स्पॉट किया गया था। इसके बाद सबा की ऋतिक की फैमिली के साथ लंच की फोटोज भी सामने आई थीं। इसके अलावा भी अब तक दोनों को कई मौकों पर साथ देखा जा चुका है। कुछ दिनों पहले सबा के लिए ऋतिक ने घर का बना खाना भी भेजा था, जिसको लेकर सबा ने एक पोस्ट शेयर की थी। सबा और ऋतिक की एक्स वाइफ सुजैन की भी अच्छी खासी बॉन्डिंग है। दोनों का इस तरह मिलने का सिलसिला उनकी शादी की अफवाहों को तेज कर रहा है।

मानहानि केस-जावेद अख्तर मानहानि मामले में कंगना रनोट को हाथ लगी निराशा, सेशंस कोर्ट ने केस को ट्रांसफर करने की याचिका की खारिज

एक्ट्रेस कंगना रनोट को मानहानि केस में सेशंस कोर्ट से निराशा हाथ लगी है। संगीतकार जावेद अख्तर द्वारा कंगना के खिलाफ दायर किए गए इस केस में कोर्ट ने कंगना की याचिका को बुधवार को खारिज कर दिया है। कंगना ने कोर्ट में मानहानि केस को ट्रांसफर करने की याचिका दाखिल की थी। इसके साथ ही कोर्ट ने याचिका में कंगना द्वारा जावेद के खिलाफ की गई शिकायत को भी ट्रांसफर करने से इनकार कर दिया है। कंगना रनोट ने अपनी याचिका में दावा किया था कि मामले की सुनवाई कर रही अंधेरी मेट्रोपॉलिटिन मजिस्ट्रेट की अदालत ने एकतरफा फैसला करते हुए उनकी हमेशा के लिए पेशी से छूट की अर्जी को खारिज कर दिया था और अरेस्ट वारंट जारी किए जाने की धमकी दी थी। अक्टूबर 2021 में कंगना की तरफ से ऐसी ही याचिका चीफ मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में दाखिल की गई थी, उनकी उस याचिका को भी खारिज कर दिया गया था। इसके बाद कंगना ने सेशंस कोर्ट का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया था। क्या है पूरा मामला जावेद अख्तर ने नवंबर 2020 में अंधेरी कोर्ट में कंगना रनोट के खिलाफ मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी।

रोजाना 2-3 घंटा क्रिकेट खेलना सीख कर रहीं अनुष्का, कड़ी धूप में बहा रहीं पसीना

अनुष्का शर्मा बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं। लंबे समय के बाद अनुष्का शर्मा फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' से अभिनय की दुनिया में वापसी करने जा रहीं हैं। फिल्म के एलान के बाद से ही अनुष्का के प्रशंसक इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि फिल्म की घोषणा जनवरी में की गई थी और अब अनुष्का ने इस फिल्म के लिए ट्रेनिंग शुरू कर दी है। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर गहन अभ्यास सत्र की एक झलक साझा की है। इस वीडियो में अभिनेत्री क्रिकेट की ट्रेनिंग लेती नजर आ रहीं हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेत्री फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' में क्रिकेटर की भूमिका निभाने के लिए सप्ताह में छह दिन 2-3 घंटे प्रशिक्षण ले रही हैं।

अक्षय कुमार के साथ डेब्यू को लेकर ये बोलीं मानुषी छिल्लर, आईमैक्स में भी रिलीज होगी 'पृथ्वीराज'

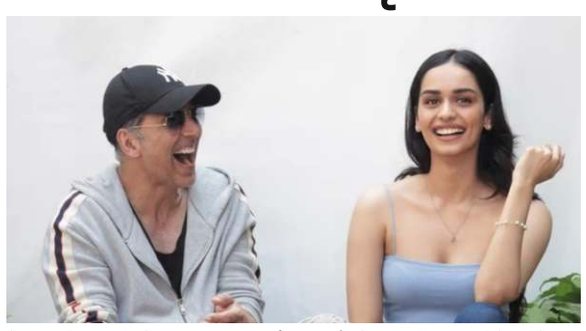

विश्वसुंदरी मानुषी छिल्लर इस बात से खुश हैं कि उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पृथ्वीराज' अब अपनी पहले घोषित तारीख से एक हफ्ते पहले रिलीज हो रही है। हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज होने जा रही ये फिल्म आईमैक्स फॉर्मेट भी रिलीज होने के लिए तैयार हो रही है। फिल्म में लोकप्रिय अभिनेता अक्षय कुमार के साथ डेब्यू करने जा रहीं मानुषी छिल्लर कहती हैं, "जब मैंने सुना कि फिल्म पूर्व निर्धारित डेट से पहले रिलीज हो रही है तो मैं बहुत खुश हुई। फिल्म की पूरी टीम काफी समय से बेसब्री के साथ इसकी रिलीज का इंतजार कर रही है। ऐसे में अपनी रिलीजिंग डेट से पहले आने की खबर से फिल्म की पूरी यूनिट बेहद खुश है। हम सब को उस पल का इंतजार है जब सम्राट पृथ्वीराज की हैरतअंगेज कहानी बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।''पृथ्वीराज'के साथ यशराज फिल्म्स अपनी पहली ऐतिहासिक फिल्म बना रही है जो शूरवीर राजा पृथ्वीराज चौहान की जिंदगी और उनकी वीरता पर आधारित है। इस फिल्म में मानुषी छिल्लर को अक्षय के साथ पृथ्वीराज की प्रेमिका राजकुमारी संयोगिता के रूप में कास्ट किया गया है। प्रियंका चोपड़ा के मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के 17 साल बाद यह ताज जीतकर देश को गौरवान्वित कराने वाली मानुषी का कहना है कि यह फिल्म एक 'बिग स्क्रीन अनुभव' है!मानुषी कहती हैं, "यह बड़े परदे का एक शानदार शाहकार है और मैं इसकी रिलीज के दिन गिन रही हूं। महामारी की वजह से फिल्म की रिलीज को दो बार टाल दिया गया था। अब फिल्म को हफ्ते भर पहले रिलीज करने का फैसला निश्चित रूप से मेरे चेहरे पर एक बड़ी मुस्कान ले कर आया है। मैं उम्मीद करती हूं कि अपनी भव्यता के साथ यह फिल्म देश के हर फिल्म प्रेमी का मनोरंजन करेगी। फिल्म में अक्षय कुमार के साथ डेब्यू करने का मौका मिलना भी मेरे लिए काफी उत्साह बढ़ाने वाला है।"

रिलीज से एक दिन पहले 'द कश्मीर फाइल्स' पर चली जम्मू-कश्मीर कोर्ट की कैंची, इन सीन्स पर लगाया बैन

बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर की फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' को रिलीज से पहले कई तरह के विवादों का सामना करना पड़ा। हालांकि तमाम अड़चनों के बावजूद 'द कश्मीर फाइल्स' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। लेकिन अब खबरें आ रहीं हैं कि जम्मू-कश्मीर के एक कोर्ट ने गुरुवार को यानी फिल्म के रिलीज होने से ठीक एक दिन पहले मेकर्स को फिल्म में दिवंगत आईएएफ स्क्वाड्रन लीडर 'रवि खन्ना' पर आधारित दृश्यों को संशोधित करने के आदेश दिए हैं।

क्या था पूरा मामला?

दरअसल, भारतीय वायु सेना के शहीद 'रवि खन्ना' की पत्नी निर्मला ने कोर्ट में विवेक अग्निहोत्री की फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर की थी। स्क्वाड्रन लीडर रवि खन्ना की पत्नी ने आदालत से अपील की है कि फिल्म में उनके पति को दर्शाने वाले दृश्यों को हटाया जाए। उन्होंने दावा किया कि फिल्म में दिखाए गए तथ्य उनके पति के साथ हुई घटनाओं के विपरीत हैं।

कौन थे रवि खन्ना?

गौरतलब है स्क्वाड्रन लीडर रवि खन्ना 25 जनवरी, 1990 को श्रीनगर में कथित रूप से शहीद हुए चार वायुसेना कर्मियों में से एक थे। इनपर हमला जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के प्रमुख यासीन मलिक और उसके साथियों ने किया था।

कोर्ट ने मेकर्स को दिया आदेश

एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज दीपक सेठी ने मेकर्स को दिए आदेश में कहा है कि "रवि खन्ना की पत्नी द्वारा बताए गए तथ्यों को देखते हुए, फिल्म में से शहीद स्क्वाड्रन लीडर रवि कन्ना से संबंधित कार्यों को दर्शाने वाले सीन्स दिखाने पर रोक लगा दी गई है।" जज आगे कहते हैं कि इस आदेश को विवेक अग्निहोत्री द्वारा चैलेंज किया जा सकता है या वह फिल्म में बदलाव करके शिकायत कर्ता को संतुष्ट कर सकते हैं।

कश्मीरी पंडितों पर आधारित है फिल्म

विवेक अग्निहोत्री के निर्देशन में बनी इस फिल्म में कश्मीरी पंडितों पर हुए अत्याचारों को दिखाया गया है। यह वह सच्चाई है, जिसे अभी तक छिपाया जाता रहा है। इस फिल्म में अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती, दर्शन कुमार, पल्लवी जोशी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

अमिताभ की 'झुंड' बॉक्स ऑफिस पर अब भी बनाए हुए है अपनी पकड़, 7वें दिन की इतने करोड़ की कमाई

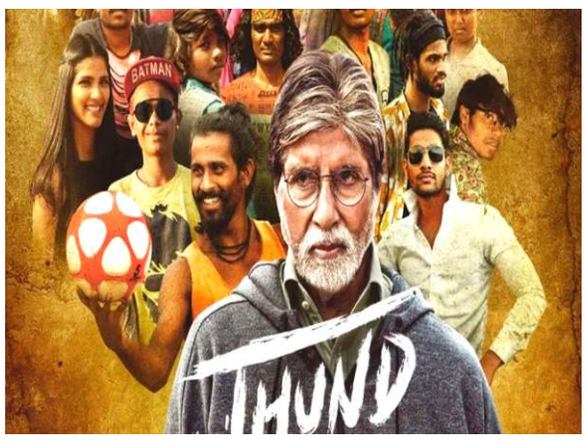

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन की फिल्म 'झुंड' 4 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। दर्शकों को फिल्म की कहानी और हमेशा की तरह अमिताभ बच्चन की एक्टिंग काफी ज्यादा पसंद आ रही है। अमिताभ बच्चन की इस फिल्म को दर्शकों का ठीक-ठाक रिस्पॉन्स मिल रहा है और ये फिल्म अभी भी अपनी पकड़ बनाए हुए है। इस फिल्म ने भले ही धीमी रफ्तार के साथ शुरुआत की थी, लेकिन बाद में कमाई में थोड़ा उछाल देखने को मिला और अब फिल्म के सातवें दिन का कलेक्शन भी सामने आ गया है।

फिल्म झुंड का सातवें दिन का कलेक्शन-

फिल्म झुंड में अमिताभ बच्चन ने एक बार फिर से अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया है। झुंड रोजाना बॉक्स ऑफिस पर 1 करोड़ से अधिक की कमाई कर रही है और सातवें दिन भी फिल्म ने 1.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

फिल्म झुंड का अब तक का पूरा कलेक्शन-

अगर बात करें ओपनिंग डे की तो पहले दिन फिल्म झुंड ने 1. 50 करोड़ की कमाई की थी, दूसरे दिन कमाई में उछाल देखने को मिला और फिल्म ने 2.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। तीसरे दिन भी झुंड ने अपनी मजबूती बनाए रखी और फिल्म ने 2.90 करोड़ का कारोबार किया। इसके बाद झुंड की रफ्तार कुछ धीमी पड़ गई और चौथे दिन फिल्म ने 1.20, पांचवें दिन 1.30, छठे दिन 1.20 और अब सातवें दिन फिल्म ने 1.10 करोड़ की कमाई के साथ कुल मिलाकर 11.30 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है।

सामाजिक कार्यकर्ता विजय बरसे के जीवन पर आधारित है 'झुंड'

अमिताभ बच्चन की फिल्म 'झुंड' एक स्पोर्ट्स ड्रामा है, जिसकी कहानी सामाजिक कार्यकर्ता विजय बरसे के जीवन पर आधारित है। फिल्म में अमिताभ बच्चन ने विजय बरसे का किरदार निभाया है। विजय बरसे ने झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों को एक फुटबॉल टीम बनाने के लिए प्रेरित किया था। नागराज पोपटराव द्वार निर्देशित 'झुंड' में अमिताभ बच्चन ने हमेशा की तरह अपने किरदार को बखूबी निभाया है।

उत्कृष्टता के लिए छात्रों में उद्यमिता कौशल

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

छात्र और माता-पिता करियर विकल्पों पर ध्यान देने के साथ-साथ सर्वोत्तम क्षमताओं के भीतर आदर्श वातावरण प्रदान करते हैं। इसमें उच्च माध्यमिक और डिग्री कार्यक्रम तक आगे बढ़ने के लिए संस्थान का चयन भी शामिल होता है। स्कोरिंग ग्रेड में अकादमिक उत्कृष्टता के साथ सबसे उपयुक्त कार्यक्रम सुनिश्चित करने के प्रयास में, उद्यमिता कौशल की अनिवार्यता को अक्सर छोड़ दिया जाता है। कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखने की मूल बातें जल्दी शुरू होनी चाहिए। उद्यमिता कौशल के लिए विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं होती है। बैंक खाते के संचालन, व्यक्तिगत खातों को बनाए रखने से संबंधित कुछ घरेलू जिम्मेदारियों छात्रों को दी जानी चाहिए।

पड़ोस के सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेना नेटवर्किंग कौशल सीखने का एक निश्चित और एकीकृत तरीका है। विशेष अवसरों पर परिवार के सदस्यों के लिए छोटे

समूह की घटनाओं का विकास करना और पड़ोसियों के साथ छुट्टी या आदर्श सप्ताहांत क्लब गतिविधियों के रूप में सहयोग करना भी नेतृत्व कौशल को बढ़ाने का एक अद्भुत तरीका है।

सोसाइटी क्लब में छोटी-छोटी घटनाओं के माध्यम से नेटवर्क का अवसर एक प्रशिक्षित गतिविधि के बजाय एक प्रदर्शनकारी अभ्यास के रूप में वास्तविक समय की स्थिति में आत्मविश्वास और सार्वजनिक बोलने में मदद करता है। छात्र को शुरुआती चरण में ही साथियों के दबावों को लेने के लिए तैयार किया जाना चाहिए और आलोचना का जवाब देने की कला में सक्षम होना चाहिए।

सामाजिक विषयों पर लघु नाटक, नुक्कड़ नाटक, सार्वजनिक प्रदर्शन पाठ्यचर्या की दीवारों से परे व्यक्तित्व को विकसित करने और उत्कृष्टता के लिए सही आत्मसम्मान विकसित करने का एक शानदार तरीका है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर डॉ कृष्णा चौहान द्वारा आयोजित हुआ मिस एंड मिसेज इंडिया व नारी शक्ति सम्मान 2022

एमएलए डॉ भारती लव्हेकर, एसीपी बाजीराव महाजन, डॉ परिन सोमानी, डॉ दीपा नारायण झा, हर्षाली मल्होत्रा, एहसान कुरैशी, प्रेमा किरण की रही उपस्थिति

मुम्बई। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 7 मार्च 2022 को केसीएफ और केसीपी के अंतर्गत डॉ कृष्णा चौहान ने मुम्बई के उपनगर अंधेरी पश्चिम स्थित मेयर हॉल में 'मिस एंड मिसेज इंडिया ब्यूटी कॉन्टेस्ट' और 'नारी शक्ति सम्मान 2022' का भव्य आयोजन किया। जिसके ज्यूरी मेम्बर्स में डॉ कृष्णा चौहान, एसीपी बाजीराव महाजन, डॉ परिन सोमानी, डॉ दीपा नारायण झा और फैशन डिजाइनर सरला पाण्डेय का नाम उल्लेखनीय रहा। इस कार्यक्रम में वर्सोवा, अंधेरी की एमएलए डॉ भारती लव्हेकर, डॉ परिन सोमानी, डॉ दीपा नारायण झा, एसीपी बाजीराव महाजन, एहसान कुरैशी के हाथों कई विशिष्ट महिलाएं सहित कलाकार, समाजसेवक और पत्रकार सम्मानित हुए।उसी दौरान फ़िल्म पीके में आमिर खान द्वारा निभाए गए किरदार के गेटअप में पीके ने अपनी परफॉर्मेंस से यहाँ सबको खूब हंसाया। सलमान खान की फ़िल्म बजरंगी भाईजान में मुन्नी का रोल करने वाली हर्षाली मल्होत्रा को नारी शक्ति सम्मान 2022 से नवाजा गया।कॉमेडियन एहसान कुरैशी ने स्टेज पर अपनी परफॉर्मेंस से खूब हंसाया। डॉ भारती लव्हेकर ने नारी शक्ति सम्मान 2022 की ट्रॉफी प्राप्ति के बाद कहा कि कृष्णा चौहान बहुत अच्छा प्रोग्राम करते हैं। नारी शक्ति को सलाम, सभी अवार्डी को अभिनंदन। सिमरन आहूजा का शुक्रिया, वह बेहतरीन एंकर हैं। इस कार्यक्रम में एमएलए डॉ भारती लव्हेकर, डॉ परिन सोमानी, डॉ दीपा नारायण झा, अभिनेत्री प्रेमा किरण, अनुराधा सोलंकी, किरण गोलानी, मयूरी पटालिया, गीतकार ज़ीनत एहसान कुरैशी, सानिया एजाज़, सरला पाण्डेय, रेशमा (फ़ॉर योगेश लखानी ब्राइट), गीतकार सुधाकर शर्मा, अभिनेता राजकुमार कनौजिया, अभिनेता श्यामलाल, डॉ प्रवीण भालेराव, शिरीन फरीद, ललिता प्रथमेश जाधव, मोना शाह, इंदु शशिकांत सिंह, आसमा कपाड़िया, प्रियंका राज, मानवी त्रिपाठी, डॉ चंद्रकला, गायत्री साहू, सीमा सूर्यवंशी, सिमरन आहूजा, समाजसेविका अनिता दत्तानि, समाजसेविका अनिता पांडेय, डॉ छाया, कैलाश मासूम, सुंदर मोरे, एहसान कुरैशी, राजेश कुरील, आर राजपाल, पंकज पाण्डेय, दिनेश कुमार, मोहन राजपुत, केवल कुमार, टिंकु चौहान, समीर खान, जुबैर अली को नारी शक्ति सम्मान 2022 से सम्मानित किया गया।सिमरन आहूजा ने इस शानदार शो की एंकरिंग की। स्टेज पर कई कलाकारों ने डांस और गायकी से दर्शकों का मन बहलाया।मिस एंड मिसेज इंडिया मुकाबले में कई महिलाओं ने भाग लिया। कई राउंड में यह ब्यूटी कांटेस्ट हुआ जहां सभी प्रतियोगी ने अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। रैम्प वाक से लेकर डांस प्रस्तुति तक इन महिलाओं ने हर इम्तिहान में खुद को बेहतर साबित किया। आखरी राउंड सवाल जवाब का था जहां ज्यूरी मेम्बर्स ने प्रतियोगियों से कई तरह के सवाल किए जिसका जवाब सभी कंटेस्टेंट ने बखूबी दिया। अगर वे यह ट्रॉफी जीत जाती हैं तो समाज की भलाई के लिए वह क्या करना चाहेंगी? इस तरह के सवाल किए गए।मिस इंडिया मुकाबले में मिसेस रश्मि अग्रवाल फर्स्ट रनर अप (सिल्वर क्लास) रहीं जबकि कोमल कटारिया फर्स्ट रनर अप (गोल्डन क्लास) घोषित की

गईं। मिस इंडिया 2022 सीमा सूर्यवंशी विजेता रही जबकि मिसेस इंडिया प्रीति अमनेरकर को सिल्वर क्लास और अनीता दत्तानि को गोल्डन क्लास, डॉ चन्द्र कला गोठवाल को प्लैटिनम क्लास में विजेता चुना गया। वहीं कृष्णा चौहान फाउंडेशन 2022 की गुजरात की ब्रान्ड अम्बेसडर डॉ परिन सोमानी, दिल्ली की ब्रान्ड अम्बेसडर छाया सखारे, महाराष्ट्र की ब्रान्ड अम्बेसडर स्मिता अग्रवाल घोषित की गई।डॉ कृष्णा चौहान ने सभी ज्यूरी मेम्बर्स का शुक्रिया अदा करते हुए बताया कि महिला दिवस के मौके पर हमारे देश की महिला शक्ति को नारी शक्ति सम्मान से नवाजा गया है। इस पुरस्कार को प्राप्त करने वाली ऐसी महिलाएं रहीं जिन्होंने समाज और देश के लिए अपना योगदान दिया है। उल्लेखनीय है कि डॉ कृष्णा चौहान न केवल एक कामयाब फ़िल्म निर्देशक हैं, समाज सेवक हैं बल्कि अवार्ड्स फंक्शन्स करने के मामले में सबसे अधिक सुर्खियों में रहने वाली पर्सनाल्टी माने जाते हैं। उनका एक अवार्ड फंक्शन सम्पन्न होता है और वह अपने अगले पुरस्कार समारोह की तैयारियों में लग जाते हैं। नए साल 2022 में उन्होंने मुम्बई के मेयर हॉल में "बॉलीवुड आइकोनिक अवार्ड 2022" का सफल आयोजन किया। और अब इन्होंने नारी शक्ति सम्मान 2022 का सफल आयोजन करके यह सिद्ध कर दिया है कि वह अवार्ड्स के शंहशाह हैं। इस अवसर पर बॉलीवुड की सेलिब्रिटीज़ तथा सोशल वर्क के लिए कई हस्तियों को सम्मानित किया गया। कृष्णा चौहान फाउंडेशन (केसीएफ) के अंतर्गत कृष्णा चौहान कई अवार्ड्स शो का आयोजन करते आये हैं। केसीएफ के अंतर्गत बॉलीवुड लीजेंड अवॉर्ड, बॉलीवुड आइकोनिक एवॉर्ड, लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड और महात्मा गांधी रत्न अवार्ड का आयोजन पिछले कई वर्षों से किया जाता रहा है। 4 मई 2022 को अपने जन्मदिन के अवसर पर डॉ कृष्णा चौहान लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2022 का आयोजन करने वाले हैं।

जब आप खुद को तरासते है तो दुनिया आपको तलाशती है-चौधरी

जीतो लेडिज विंग का सिम्फोनी एवार्ड समारोह सम्पन्न

मुंबई- महिला साशक्तिकरण व उत्थान को समर्पित जीतो लेडिज विंग का सिम्फोनी एवार्ड समारोह रविवार को मुंबई के सहारा स्टार होटल में सम्पन्न हो गया। दीप प्रज्वलन के साथ ही शुरू हुए समारोह के दौरान जीतो एपेक्स के चेयरमैन गणपतराज चौधरी ने महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हुए कहा कि जब आप खुद को तरासते है तो दुनिया आपको तलाशती है। इसलिए महिलाओं को अपने हुनर व प्रतिभा को नई उचाई प्रदान करनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने जीतो लेडिज के कार्यों की जमकर सराहना की। समारोह में जीतो एपेक्स के प्रेसिडेंट सुरेश मुथा ने भी महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। और महिलाओं के साशक्तिकरण को जरूरी बताया। वहीं जीतो एपेक्स लेडिज विंग की चेयरपर्सन सुनीता बोहरा ने लेडिज विंग के चैप्टर्स के कार्यो की समीक्षा की। इस बीच अच्छा कार्य करने वाले चैप्टरो को विशेष रुप से पुरष्कृत भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान चेयरपर्सन बोहरा ने जीतो लेडीज विंग के 1185 कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने बताया कि नवंबर 2020 में लेडिज विंग के सदस्यों की संख्या 3139 थी। जो फरवरी 2022 में बढ़कर 8183 पहुंच गई है। समारोह में मौजूद महिलाओं को आगे बढ़ने के प्रेरित करते हुए बोहरा ने कहा कि तेज हवाओं में उड़ते है जो उन परिंदो के पर नहीं, हौसले मजबूत होते हैं। उन्होंने महिलाओं से कहा कि आपने जीतो लेडिज विंग की दृष्टि को सही अर्थ दिया है। आपके कार्यो ने एक विरासत तैयार की है। उन्होंने कहा कि प्रतिभा से हम सिर्फ एक खेल जीत सकते है लेकिन सामुहिक रुप से कार्य करके पूरी चैंपियनशिप जीती जा सकती है। आप सभी महिलाएं एक श्रेष्ठ नेतृत्वकर्ता है। एवार्ड समारोह में जीतो एपेक्स के वाइस चेयरमैन विजय भंडारी, जीतो एपेक्स के सेक्रेटरी जनरल हितेश दोषी, जीतो एपेक्स के सचिव गौतम जैन, एपेक्स सेक्रेटरी तथा लेडिज विंग इंचार्ज मनोज मेहता, जीतो एपेक्स के ट्रेजरर दिलीप नाबेड़ा, ज्वाइंट ट्रेजरर सिद्धार्थ भंसाली, जीतो लेडिज विंग की डायरेक्टर सुमन बछावत, वाइस चेयरमैन मीनल खोना व जीतो लेडिज विंग की मुख्य सचिव सोनाली डूगर सहित पुरे देश से जीतो चैप्टर्स के पदाधिकारी मौजूद थे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर दंगल टीवी की मुख्य महिलाओं ने अपने मन की बात कही और वोमेन्स डे की शुभकामनाएं दीं

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दंगल टीवी के धारावाहिकों की मुख्य अभिनेत्रियों ने भी सभी महिलाओं को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देने के लिए समय निकाला! एक तरफ जहां महिला दिवस पर इस बात का जश्न मनाया जाता है कि हम महिलाओं के अधिकारों के मामले में कितने आगे आ गए हैं एवं हमें काफी आगे की लंबी राह पर ले जाते हैं, वहीं दंगल टीवी की महिलाओं ने भी महिला सशक्तिकरण और नारी होने के उत्सव पर अपनी राय ज़ाहिर की!मनपसंद सीरियल मन सुंदर की श्रुति आनंद उर्फ रुचिता कहती हैं, "एक महिला अपने जीवन में एक बेटी, पत्नी, माँ आदि कई भूमिकाएँ निभाती है, लेकिन हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि वह पहले एक महिला है और उसका सम्मान किया जाना चाहिए और उसके साथ समानता का व्यवहार किया जाना चाहिए। नारी की शक्ति उसके अंदर मौजूद होती है। कोई भी महिला कितनी भी शांत व शर्मीली क्यों न दिखे, हर महिला अपने तरीके से उग्र भी हो सकती है और उसके लिए उसका सम्मान किया जाना चाहिए! मुझे मन सुंदर के साथ जुड़कर बहुत खुशी हो रही है, यह एक ऐसा शो है जो महिलाओं का जश्न उनकी तरह से मनाता है!"दंगल टीवी के चर्चित शो नथ ज़ेवर या जंजीर की लीडिंग लेडी महुआ यानी चाहत पांडे भी इसी तरह के विचार प्रस्तुत करती हैं "मुझे लगता है कि यह समय की मांग है कि महिलाओं के प्रति सभी भेदभाव समाप्त हो जाएं। हमारे शो नथ के साथ, हम भी सदियों पुरानी बाधाओं को तोड़ रहे हैं, जिससे महिलाओं के अधिकारों में क्रांतिकारी बदलाव का रास्ता नज़र आ रहा है। जबकि हमने महिला सशक्तिकरण में बहुत कुछ हासिल किया है, अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। हमें बलात्कार, दहेज हत्या, नरसंहार, उत्पीड़न और घरेलू

हिंसा से निपटने के लिए कानूनों में बदलाव और कानूनों के सख्त कार्यान्वयन की भी जरूरत है। उम्मीद है कि एक दिन हम महिलाओं के प्रति सभी कुरीतियों को दूर करेंगे। मैं सभी प्यारी महिलाओं को महिला दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देना चाहती हूं!"सिंदूर की कीमत में मिश्री का किरदार निभाने वाली वैभवी हंकारे ने भी अपने दर्शकों को महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं और कहा "हालांकि मुझे महिला दिवस का उत्सव पसंद है लेकिन मुझे लगता है कि महिलाओं के प्रति सिर्फ एक दिन नहीं होना चाहिए, वास्तव में पूरे साल महिलाओं का सम्मान किया जाना चाहिए, प्यार और देखभाल के साथ उनके साथ व्यवहार किया जाना चाहिए! हम महिलाएं पैदाइशी फाइटर्स हैं और एक समुदाय के रूप में यहां तक पहुंचने के लिए बहुत सी लड़ाइयां हमने लड़ी हैं और मुझे लगता है कि हमें इसके लिए उत्सव मनाना चाहिए!

रंग जाऊं तेरे रंग में की धानी चौबे उर्फ मेघा रे कहती हैं, "मैं ज्यादा दूर नहीं जाऊंगी और कहूंगी कि अभ्यास घर से शुरू होता है! मैं सभी महिलाओं से एक दूसरे का समर्थन करने और एक समुदाय के रूप में विकसित होने की अपील करूंगी। ईर्ष्या, किसी के प्रति तुरंत जजमेंट और पाखंड हमारा मजबूत पक्ष नहीं हो सकता है जबकि हम सभी महिलाओं के खिलाफ अपराध, समानता और महिला अधिकार आदि की लड़ाई लड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

नेतृत्व पर सवालः राहुल गांधी की राह में अड़ंगा डालेंगे नतीजे, प्रियंका गांधी में कांग्रेस का भविष्य देखने वालों को लगा झटका

पांच राज्यों के नतीजों के बाद असंतुष्ट खेमे से कांग्रेस में स्थाई अध्यक्ष की मांग फिर जोर पकड़ेगी। हालांकि पार्टी सितंबर तक चुनाव कराने की घोषणा कर चुकी है लेकिन चुनावी नतीजे राहुल गांधी के अध्यक्ष बनने की राह में अड़ंगा डालेंगे। राहुल समर्थक नेता उनके कमान संभालने के इंतजार में हैं। वहीं, एक खेमा प्रियंका गांधी वाड्रा में भविष्य देख रहा था मगर उन्हें भी नतीजों ने निराश किया है। नतीजों के बाद असंतुष्ट नेताओं की बयानबाजी और सक्रियता बढ़नी तय है। कुछ नेताओं के पार्टी छोड़ने और कुछ को किनारे करने के बाद जिस जी-23 में खामोशी दिख रही थी उसमें अब कुछ नए सदस्यों के नाम भी जुड़ सकते हैं। ऐसे में नतीजों ने नेतृत्व के सामने खुद को साबित करने की चुनौती बढ़ा दी है। राहुल गांधी को अगर अध्यक्ष बना भी दिया जाए तो उनकी सबसे पहली और कठिन परीक्षा गुजरात में होगी, जहां साल के अंत में चुनाव होने हैं। नए अध्यक्ष के सामने एक और चुनौती पंजाब है, जहां आप के हाथों गंवाई जमीन पर लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। दिल्ली में सत्ता गंवाने वाली कांग्रेस वहां आज तक वापसी नहीं कर पाई है। राहुल गांधी के सामने एक और चुनौती यूपी के अमेठी को लेकर भी होगी, जहां वह 2019 का चुनाव हारे हैं। महिलाओं पर चला दांव फेल प्रियंका ने महिला मतदाताओं की ताकत को भांपते हुए एक अलग लाइन खींचकर राज्य की 40 फीसदी यानी 159 महिलाओं को टिकट दिया। पार्टी ने समाज की कुछ पीड़ित महिलाओं को आगे लाकर उम्मीदवार बनाया लेकिन ये प्रयोग भी सफल नहीं हुआ। महिलाएं प्रियंका की ढाल नहीं बन सकीं। इसे देखते हुए कांग्रेस महासचिव के लिए अब पार्टी से अधिक खुद का भविष्य बचाने की चुनौती है। पहले पर्दे के पीछे और अब बीते तीन साल से प्रियंका अपने भाई राहुल का सहारा बनकर लड़ती हुई दिखती रही हैं लेकिन यूपी ने जिस तरह कांग्रेस को नकारा है उससे लोकसभा चुनाव में कोई चमत्कार कर दिखाना बहुत मुश्किल है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी लगातार यूपी न छोड़ने की बात कह रही हैं लेकिन जिस उम्मीद और रणनीति के साथ उन्होंने चुनावी ताना-बाना बुना था उसे लोगों ने नकार दिया। प्रियंका चुनावी लिटमस टेस्ट में फेल साबित हुई हैं। प्रियंका पार्टी को उतनी सीट भी नहीं दिला सकीं जितनी पिछली विधानसभा में थीं। यूपी में यह कांग्रेस का अब तक सबसे खराब प्रदर्शन रहा है।

मुंबई यूनिवर्सिटी में बम धमाके की खबर देने पर पहुंची पुलिस, झूठी सूचना देने वाला गिरफ्तार

महाराष्ट्र पुलिस ने मुंबई यूनिवर्सिटी में बम धमाके की झूठी सूचना देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसने मुंबई यूनिवर्सिटी में धमाके की खबर दी थी, जब पुलिस व बम दस्ता मौके पर पहुंचा तो वह कुछ नहीं मिला। इस मामले में बीकेसी पुलिस ने आरोपी सूरज धरम को गिरफ्तार किया है। उस पर झूठी सूचना देने के आरोप में केस दर्ज किया गया है।

देश से तेज महाराष्ट्र की इकॉनमी, देश की जीडीपी में महाराष्ट्र का योगदान 14.2%

मुंबई: महाराष्ट्र की इकॉनमी देश की इकॉनमी से तेज है। महाराष्ट्र विधानमंडल के दोनों सदनों में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है कि चालू वित्त वर्ष में महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था की विकास दर 12.1 प्रतिशत रहेगी। इस दौरान देश की विकास दर 8.9 फीसद रहने का अंदाज है। इस विकास दर को बढ़ाने में सबसे ज्यादा योगदान सर्विस सेक्टर का रहेगा। आर्थिक सर्वे की

रिपोर्ट के मुताबिक, कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियों की वृद्धि दर 4.4 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र की वृद्धि दर 11.9 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 13.5 प्रतिशत रह सकती है। रिपोर्ट में यह अनुमान भी जताया गया है कि चालू वित्त वर्ष में फसल उपज में तीन प्रतिशत, पशुधन में 6.9 प्रतिशत, वानिकी में 7.2 प्रतिशत और मत्स्य पालन में 1.6 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

समीक्षा कहती है कि वित्त वर्ष 2021-22 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 31,97,782 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। चालू वित्त वर्ष में राज्य में प्रति व्यक्ति सालाना आय 1,93,121 रुपये रह सकती है।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।